



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

18  
21/12/88

सं. 34]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 22, 1988/भावना 31, 1910

No. 34] NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 22, 1988/SRAVANA 31, 1910

इस भाग में भिन्न प्रकृति संख्या की जाती है जिससे इस प्रकृति संख्या को रख दें  
इसका का साक्षे

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

(द्वि इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेकेटरीज आफ इंडिया)

कंपनी सचिव प्रधिनियम, 1980 के प्रधीन गठित)

कंपनी सचिव (संशोधन) विनियम 1988

(अगस्त 1988 का प्रार्थ. सी.एस आई सं. 1)

अधिनूचन

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1988

सं. 710(2)(एम). (2).—यतः कंपनी सचिव प्रधिनियम, 1980 (1980 वा 50) की धारा 30 की उपधारा (3) के अन्वेषण यथा अपेक्षित कंपनी सचिव विनियम, 1982 को इसी संशोधित करने के लिए द्वितीय प्राप्त विनियम 1 प्रभावित, 1987 को द्वि इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेकेटरीज आफ इंडिया की अधिनूचना के रूप में भारत के उच्चान्त असाधारण भाग 3, खण्ड 4, तारीख 20-10-1987 के पृष्ठ सं. 1 से 27 तक अप्रकाशित किए गए थे और उन सभी अधिकारियों से, जिनके द्वारा संभाल होते थे भारतीय विनियम के अन्वेषण की वार्ता संभाल थी तथा अधिनूचन की प्राप्तियाँ उनकी वार्ता से प्राप्तियाँ थीं इनके द्वारा आपात अधिनियम किए गए थे, तथा उक्त अधिनूचन की प्राप्तियाँ उनकी वार्ता की 20 संभाल, 1987 को उपलब्ध करा दी गई थीं।

यतः उक्त प्राप्त विनियमों की वार्ता जनता से प्राप्त प्राप्तियों पर युक्ति और केन्द्रीय सरकार ने विवाद कर लिया है।

यतः यदि परिवेष कंपनी सचिव प्रधिनियम, 1980 (1980 वा 50) की धारा 39 की उपधारा (3) के रूप पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से, कंपनी सचिव प्रधिनियम, 1982 में विस्तृतिकरण गोष्ठी न करती है यथा—

1. (1) ये विनियम कंपनी सचिव (संशोधन) विनियम, 1988 कहे जाएंगे।

(2) इन विनियमों में जैसा उपबंधित है उसके सिवाय, ये विनियम भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. कंपनी नविय विनियम, 1982 (जिन्हें एक प्रकाशन उक्त विनियम कहा जाता है यथा के विनियम 3 को, विस्तृतिकरण द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा)।

3. रजिस्टर

“इंस्टीट्यूट के सदस्यों का रजिस्टर अनुसूची ‘क’ में उपलब्धित प्रोफार्म में रखा जाएगा एवं प्रत्येक सदस्य द्वारा उसके अधिकारियक

परे में सूति आले परिवर्तन को, इस परिवर्तन के एक साथ के स्वदर-प्रश्नर इन्स्टीट्यूट की सुनिन करना होगा।”

५. इन विनियमों के विनियम ३२ के उपविनियमों (२) में परिवार परिवर्तन के पश्चात् निम्नलिखित शब्दों वा नामांकन किया जाएगा यदा :

“अभ्यव्याप्ति स्वरूप काम्पनी नीकेन्द्री शाश्वत के लिए प्रकाशित एवं मानिक प्रधिकार।”

६. उक्त विनियमों के विनियम ४१(क) के उप विनियम (३) के बाद (व) का उपबंध निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, यदा “परम्परा विधि कोई प्रत्यक्षी जो एक समूह के विषयों में प्रविष्ट हुआ है, किसी नामांकन अभेक्षित वा और किसी विषय (विषयों) में मात्र प्रतिष्ठित वा उसमें अधिक अंक और समूह के प्रत्येक अन्य विषय में न्यूनतम पर्याप्ति स्वतंत्रता अंक प्राप्त किया है, किन्तु समूह में अनुसूतीं तो नहीं है, जिन परीक्षा में प्रवेश लेना चाहता है, उसके नामांकन की अनिम तिथि के द्वारा इस विषय में प्रार्थना पत्र देने पर उक्त विषय (विषयों) से जिसमें उसे आठ प्रतिष्ठित से अधिक अंक प्राप्त हुए हैं उत्तरवार्ती परीक्षाओं में मृद्द कर दिया जाएगा :

पुनर्जन्म, परम्परा उपयुक्त किसी वात के बाबूद, कोई प्रत्यक्षी जो किसी समूह जिसके लिए वह नामांकित है, के सभी विषयों में, जिन कोई छूट निए, प्रविष्ट होता है और उस समूह के किसी एक प्रत्यक्षी पत्र में अनुसूतीं ही जाता है किन्तु उस समूह के प्रत्येक विषयों के भीग वा मात्र प्रतिष्ठित स्वूतंत्रम् अंक प्राप्त करता है, उस समूह में उन्नांश चोक्ति दिया जाएगा, यदि वह तुरन्त बाद की सीन अनुवर्ती परीक्षाओं में किसी एक या अधिक में पुनः प्रविष्ट होकर उस प्रत्यक्षी पत्र में बाबूद प्रतिष्ठित अंक प्राप्त कर देता है।

#### व्यापका

प्रथम परम्परा के अन्यर्थीत मात्र प्रतिष्ठित वा अधिक अंक प्राप्त करने के प्राधार पर जिन विषयों में किसी प्रत्यक्षी को छूट मिली है, उसके अंकों को उत्तरवार्ती परीक्षा (प्रीशेफ्टों) में उस समूह के शेष विषय (विषयों) के परिणाम के लिए बोल्डिस लहीं किया जाएगा।”

७. उक्त विनियमों के विनियम ४५-के उप-विनियम (३) के बाद (व) का परम्परा निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“परम्परा विधि कोई प्रत्यक्षी जो एक समूह के विषयों में प्रविष्ट हुआ है, जिनमें नामांकन अभेक्षित वा और किसी विषय (विषयों) में मात्र प्रतिष्ठित वा उसमें अधिक अंक और समूह के प्रत्येक अन्य विषय में न्यूनतम पर्याप्ति अंक प्राप्त किए हैं, किन्तु समूह में अनुसूतीं ही नहीं है, जिन परीक्षा में प्रवेश लेना चाहता है, उसके नामांकन की अनिम तिथि के द्वारा इस विषय में प्रार्थना पत्र देने पर उक्त विषय (विषयों) दे, जिसमें उसी मात्र प्रतिष्ठित से अधिक अंक प्राप्त हुए हैं, उत्तरवार्ती परीक्षाओं में मूक्त कर दिया जायेगा :

पुनर्जन्म, परम्परा उपयुक्त किसी वात के बाबूद, कोई प्रत्यक्षी जो किसी समूह, जिसके लिए वह नामांकित है, के सभी विषयों में विषय

कोई छूट निए प्रविष्ट होता है और उस समूह के किसी एक प्रत्यक्षी पत्र में अनुसूतीं हो जाता है किन्तु उस समूह के अन्य विषयों के भीग का साठ प्रतिष्ठित न्यूनतम अंक प्राप्त करता है, उस समूह में उत्तरीण धोषित किया जाएगा, यदि वह तुरन्त बाद की तीन अनुवर्ती परीक्षाओं में किसी एक या अधिक में पुनः प्रविष्ट होकर उस प्रत्यक्षी पत्र में बाबूद प्रतिष्ठित अंक प्राप्त कर देता है।

#### व्यापका

प्रथम परम्परा के अंतर्गत साठ प्रतिष्ठित वा अधिक अंक प्राप्त करने के आधार पर जिन विषयों में किसी प्रत्यक्षी को छूट मिली है, उसके अंकों को उत्तरवार्ती परीक्षा (प्रीशेफ्टों) में उस समूह के शेष विषय (विषयों) के परिणाम के लिए संगठित नहीं किया जाएगा।”

८. उक्त विनियमों के विनियम ४६ के पश्चात, किन्तु अधाराय ७ के पालने निम्नलिखित विनियम अंक स्थापित किया जाएगा, यदा :—

“४६-क. किसी परीक्षा में छूट का पुनः प्रबन्धन

यदि कोई प्रत्यक्षी प्रार्थना करता है और किसी समूह की परीक्षा में उत्तरीण होने के कारण किसी विनियम के अन्तर्गत प्राप्त छूट का निरन्तरीकरण स्वीकृत हो जाता है, वह दोबारे उस छूट के पुनः प्रबन्धन का या इस प्रकार के किसी समूह (भूमियों) को उत्तीर्ण करने के किसी छूट या नाम का किसी भी अवस्था में किसी उत्तरवार्ती परीक्षा (ओं) में पान नहीं होगा।”

९. उक्त विनियमों के विनियम ५८ के उपविनियम (२) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“(२) परिषद वा निर्वाचित सदस्य, व्यापार (३) और व्यापार १४ के उपविष्टों के अधीन रहते हुए लीन वर्ष की प्रधित तक पर धारण करेगा और उसके द्वारा एक शक्तिशील निकालन थोक में छूटरे में अपने व्यावसायिक पत्र का परिवर्तन करने से, परिषद की सदस्यता को रिक्त नहीं करना पड़ेगा।”

१०. उक्त विनियमों के विनियम ६२ के उपविनियम (१) में “साठ दिन” के स्वान पर “नव्वे दिन” प्रतिस्थापित किया जाएगा।

११. उक्त विनियमों का अध्याय ६ निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

#### अध्याय ६

##### सुमात्रा

###### विनियम ६४ सुमात्रा की तिथियां

सुमात्रा परिषद की अवधि के समाप्त होने की तिथि से कम से कम एवं विद्युत परिषद परिका में परिषद के सदस्यों के भूमिय के निम्नसिद्धित विषयों की तिथियां अधिकृत करेगी, यदा

क—नामांकन प्राप्ति की अनिम तिथि तथा समय

ख—नामांकन पत्रों की जाति की तिथि

ग—नामांकन वापस सेने की अनिम तिथि



4. उप-विनियम (3) में लिखित बक्सों में प्रत्याशी द्वारा स्वेच्छा से निम्नलिखित सूचना भी दी जा सकती है, यद्या :

(क) मैटिट एवाई (योग्यता पुरस्कार) (विश्वविद्यालय की डिप्टी/ डिप्लोमा परीक्षाओं में, विवित कम्पनी या इस्टीयूट आफ कम्पनी सेक्टरीज आफ इंडिया द्वारा आयोजित परीक्षाएं और अन्य स्वायत्त द्वारा आयोजित परीक्षाएं जो परिषद द्वारा इस आवश्यक के लिए मायगत प्राप्त हों)

(ल) बर्तमान व्यवसाय का विवरण :

- (i) नौकरी (नियोजक का नाम तथा प्रत्याशी को नियोजक द्वारा दिये गये पद नाम सहित) रूप में व्यवसाय;
- (ii) कम्पनी सेक्टरी के प्रेक्षित (पूर्ण स्वामित्व या साझेवारी, कर्म के नाम के साथ);
- (iii) अन्य कोई मुख्य व्यवसाय (यदि प्रत्याशी नौकरी या कम्पनी सेक्टरी के रूप में प्रेक्षित (व्यवसाय) में न हो तो सभी दिया जाता जाएगा)।

(ग) अन्य विवरण :

- (i) परिषद, भेदीय परिषद तथा चैटरों की प्रबन्ध समितियों की भूतपूर्व एवं बर्तमान सदस्यता, परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं भेदीय परिषद या चैटरों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव या कोयायरों;
- (ii) परिषद, भेदीय परिषद तथा चैटरों द्वारा आयोजित व्यावसायिक गोष्ठियों या सम्बूद्धताओं में योगदान;
- (iii) नियम या चुनाव प्रविधि से सीधे संबंधित तथा कम्पनी सचिव की अधिकृति के विषयों पर पुस्तक या लेखों का लेखन;
- (iv) विश्वविद्यालय तथा परिषद द्वारा मान्यताप्राप्त व्यावसायिक संस्थानों में वैज्ञानिक पदों पर नियुक्ति।

5. प्रत्याशी स्वेच्छा से अपनी पासपोर्ट आकार की नई फोटो भी भेज सकते हैं।

#### 6. नामांकन शुल्क

चुनाव में जड़ा हुआ प्रत्येक प्रत्याशी, नामांकन पत्र के साथ मुख्यालय में अधिकतम एक हजार रुपए तक नामांकन शुल्क, जैसा कि परिषद द्वारा प्रत्येक चुनाव के पूर्व विनियम 59 के अंतर्गत चुनाव की तिथियों की अधिसूचना के साथ अधिसूचित किया जाएगा, नकद या डिमांड चाउल्ड द्वारा जमा करेगा जो कि किसी भी अवस्था में केवल विनियम के उप-विनियम (11) के अंतर्गत नामांकन के नियर्सीकरण की अवस्था को छोड़कर जापस नहीं किया जाएगा।

#### 7. नामांकनों की जांच

1. प्रत्येक चुनाव में परिषद सभी प्रत्याशियों के नामांकनों की जांच के लिए एक पैनल बनायेगी।

2. पैनल में तीन अधिक होंगे जिनमें से एक संस्थान का सचिव होगा तथा अन्य दो अधिक अधिनियम की धारा 9 की उप-विधान (2) वाट्ट (ब) में वर्णित परिषद के सदस्यों में से परिषद द्वारा नामित किए जायेंगे, जो केन्द्रीय सरकार के अधिकारी होंगे, किन्तु यदि उनमें से एक या अधिक सदस्य उपसंघ या काम करने के इच्छुक नहीं हैं तब अन्य अधिक परिषद के नियंत्रण तथा अधिसाम्यता के अनुसार नामित होंगे।

3. परिषद द्वारा नियुक्त पैनल के सदस्यों का नाम वेते हुए एक अधिसूचना, जिस में चुनाव के लिए पैनल बनाया गया है, उसके नामांकन की अंतिम तिथि के पूर्व सामान्यतया सभी सदस्यों को आरी किया जाएगा।

4. पैनल की अधिक, विवर चुनाव के लिए पैनल बनाया गया है उसके संपर्क होने पर समाप्त हो जाएगी।

5. पैनल को अपनी क्रियाविधि की जिस तरह वह उपचित और व्यायसांग उपचार समझे नियमित करने का अधिकार होगा।

6. अपने कार्य सम्पादन के लिए पैनल की गणपूति की संज्ञा देनी होगी।

7. पैनल के निर्णय सामान्यतया सर्वसम्मत होंगे। निर्णय में असहमति की अवस्था में अंतिम निर्णय गणित पैनल के सदस्यों के बहुमत के आधार पर होगा।

8. किसी कारण में एक या अधिक सदस्यों के काम करने में असहमति के कारण तुर्हि रिक्ति को सचिव परिषद द्वारा पूर्व स्वीकृत अधिकृतों की सूची से अधिसाम्यता के आधार पर भरेगा।

9. पैनल इस कार्य के लिए नियत तिथि की सभी व्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच करेगा और प्रत्येक नामांकन पत्र पर अपने निर्णय "नामांकन स्वीकृत है या अस्वीकृत" अकित करेगा इस जांच के समय पैनल प्रत्येक प्रत्याशी या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि को यदि वह आहे तो उपस्थित रहने की अनुमति देगा।

10. पैनल यदि किसी नामांकन को अस्वीकृत करता है तो उसके कारणों को एक संक्षिप्त विवरण में उल्लिखित करेगा।

11. यदि निम्नलिखित कारणों से दैमल संतुष्ट है तो वह नामांकन को अस्वीकृत कर देगा :

(क) विनियम 64 के अन्तर्गत प्रत्याशी चुनाव में जड़ा होने का पात्र नहीं था या उसने परिषद और भेदीय परिषद दोनों के लिये विनियम 64 के विलक्ष चुनाव का नामांकन पत्र भरा;

(ल) विनियम 65 के उपनियम (2) के अन्तर्गत प्रस्ताव के या उसके समर्थक प्रत्याशी का प्रस्ताव करने के योग्य नहीं थे;

(म) प्रत्याशी या प्रस्तावक या असमर्थक के हस्ताक्षर वास्तविक नहीं हैं या जबर्दस्ती या धोखे से प्राप्त किये गये हैं;

(ग) विनियम 65 तथा 66 का निम्नलिखित रूप में पालन नहीं किया गया :—

(i) नामांकन उपयुक्त कार्य में नहीं था;

(ii) विनियम 66 के प्राप्तधारा के अनुसार नामांकन शुल्क नहीं दिया गया;

(iii) नामांकन कार्य प्रत्याशी, प्रस्तावक या समर्थक द्वारा हस्ताक्षरित नहीं था;

(iv) नामांकन के साथ विनियम 65 के उपविनियम (3) में विनियिष्ट विवरण सम्बन्धित रूप से पूर्ण तथा सत्यापित किया हुआ नहीं दिया गया था;

(v) नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तथा समय तक इस्टीट्यूट या स्थानीय पोस्ट ऑफिस में दुरुत आद का काम का विवर होगा।

#### व्याख्या 1

यदि विनियम 59 के अंतर्गत (क) के अन्तर्गत नामांकन प्राप्त करने के लिये नियुक्त की गई अंतिम तिथि को, आद में इस्टीट्यूट या समर्थक कम्पनी सेक्टरीज आफ दण्डिया द्वारा या स्थानीय पोस्ट ऑफिस द्वारा पैसेंजर आक देने के लिये अधिकारी अधिकृत कर दिया जाता है तो नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि का तात्पर्य यह प्रकरण इस्टीट्यूट या स्थानीय पोस्ट ऑफिस में दुरुत आद का काम का विवर होगा।

## व्याख्या 2

दैनन्दिन, किसी नामांकन घब्बे को किसी तकनीकी सूचि के आधार पर जो कि महत्वपूर्ण नहीं है, अधिकारी नहीं भी कर सकता है।

## व्याख्या 3

किसी प्रत्याशी को नामांकन को किसी अधिविभागी के आधार पर अर्थात् के कारण उसी प्रत्याशी का दूसरा नामांकन जो बैध है प्रस्तुत नहीं किया जा सकता।

## व्याख्या 4

यदि कोई प्रस्तुतिका या समर्थक, अधिविभागी या उप विभिन्नों के प्रभाव से नामांकन के लिये विषय अंतिम तिथि के पश्चात् कोई प्रत्याप्तता प्राप्त कर लेत है, तब भी नामांकन अवैध नहीं होगा।

12. जहाँ किसी प्रत्याशी का नामांकन अस्वीकृत कर दिया गया है, निर्वाचन अधिकारी पैनल के विषय की सूचना, उसके कारणों के विवरण के साथ प्रत्याशी को नामांकन प्राप्ति के लिये अंतिम तिथि के 7 दिनों के अन्दर डाक से देगा।

## 68. बैध नामांकनों की सूची बनाना

1. नामांकनों की जांच समाप्त हो जाने के पश्चात् निर्वाचन अधिकारी प्रत्येक संक्षेप निर्वाचन लेख के बारे में प्राप्त बैध नामांकनों की सूची तथावर करेगा तथा नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि के 7 दिन के अंदर सूची की एक प्रति निर्वाचन लेख के प्रत्येक प्रत्याशी को पंजीकृत डाक से भिजावेगा।

2. प्रत्येक संक्षेप निर्वाचन लेख की सूची में प्रत्याशी का वर्णनिक्रम में साम संथा अवाक्षणिक पता होगा और यदि किसी प्रत्याशी का अपावृत्ताविक पता निर्वाचन तिथि को रजिस्टर में रख नहीं है तो उसके विषय तिथि को रजिस्टर में अंकित निवास का पता दिया जायेगा।

## 69. नामांकनों की वापसी

1. विभिन्नम् 68 के उप विभिन्नम् (1) के अन्तर्गत भेजे गये बैध नामांकनों की सूची प्राप्त होने के पश्चात् कोई प्रत्याशी निर्वाचन अधिकारी को नामांकनों की वापसी के लिये निर्वाचित अंतिम तिथि को या उससे पहले विधित संथा हस्ताक्षरित सूचना देकर नामांकन वापस ले सकता है, यह अंतिम तिथि विभिन्नम् 68 के उप विभिन्नम् (1) के अंतर्गत जारी सूचना की अनुसरी तिथि से 10 दिन से पहले नहीं होती।

2. जो प्रत्याशी नाम वापस ले लेता है वह वापसी को निरस्त करने का अधिकारी नहीं होगा।

## 70. प्रत्याशियों तथा भतवाताओं को नामांकनों की अंतिम सूची

(1) निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रत्याशियों का नाम बैध नामांकनों की सूची से निकाल देगा जिन्होंने अपने नाम वापस ले लिये हैं तथा प्रत्येक निर्वाचन लेख से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की अंतिम सूची (एवंपश्चात् “चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी” के रूप में संबोधित) निर्वाचन लेख के प्रत्येक प्रत्याशियों को पंजीकृत डाक से तथा भतवाताओं को अधिविभागित परिवाह द्वारा सेजेगा।

(2) इस सूची के साथ उस लेख के सभी चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों का ऐसा विवरण जो उसके हारा विभिन्नम् 65 के उप विभिन्नम् (3), (4) तथा (5) के अन्तर्गत प्रत्याशियों द्वारा दिये गये विवरण से संकेतित किया जायेगा, भी भेजा जायेगा।

(3) निर्वाचन अधिकारी इसके उपविभिन्नम् (2) के अन्तर्गत सूची के साथ लगाये जाने वाले विवरण को बनाने में:

(क) प्रत्याशियों द्वारा विभिन्नम् 65 के उपविभिन्नम् (3) (4) (5) के अन्तर्गत दी गई सूचना का उपयोग करेगा;

(ख) जहाँ तक प्रत्याशियों द्वारा दी गई सूचना विभिन्नम् 65 के उप विभिन्नम् (2) (3) (4) तथा (5) द्वारा निर्वाचन सूचना के अनुसर है वहाँ वह उसका उपयोग करेगा; इसके अधिविभाग विवरण में दी गई अवधा न दी गई किसी भी सूचना का समावेश नहीं करेगा; और

(ग) कोई स्पष्ट लूटि जो उसको विभिन्नम् में जाती है, डॉक करेगा।

(4) नामांकन की अंतिम सूची के साथ लगाने वाले विवरण में गहराइ है से इधित होगा चाहिए कि वह सूचना प्रत्याशियों द्वारा विभिन्नम् 65 के उप विभिन्नम् (2) (3) (4) और (5) के अन्तर्गत प्राप्त सूचना से संकेतित तथा प्रस्तुत किया गया है और उसकी सत्यता के बारे में निर्वाचन अधिकारी की कोई जिम्मेदारी नहीं है।

## 71. किसी प्रत्याशी की मृत्यु या नदम्यता समाप्ति

यदि चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी की मृत्यु चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले हो जाती है अथवा अन्य कारण से उसकी सदम्यता समाप्त हो जाती है, तो उस लेख के निर्वाचन लेख का चुनाव लड़ के अन्य प्रत्याशियों के बीच कराया जायेगा तथा उस निर्वाचन लेख के चुनाव के बारे में कोई नई प्रक्रिया प्रारम्भ नहीं की जायेगी।

72: प्रत्याशियों का निर्वाचित माना जाना—यदि उनकी सत्यता, निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संवय के बाबत है/या उसके कम है

1. जहाँ किसी लेख के निर्वाचन लेख से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की संख्या उस निर्वाचन लेख से चुने जाने वाले सदस्यों की संख्या के बाबत या उसके कम है या जहाँ किसी निर्वाचन लेख में इस प्रकार से प्रत्याशियों की संख्या चुनाव परिणाम घोषित होने से पूर्व किसी एक प्रत्याशियों की मृत्यु या सदम्यता समाप्ति के कारण वहाँ से निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या के बाबत यह भाती है, तो सेव प्रत्याशी वहाँ से चुने गये मान लिये जायेने तथा निर्वाचन अधिकारी इस प्रकार के सभी प्रत्याशियों को विधिवत निर्वाचित घोषित करेगा।

2. जहाँ किसी निर्वाचन लेख से उप विभिन्नम् (1) के अन्तर्गत चुने गये प्रत्याशियों की संख्या वहाँ से निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या से कम हो, परिवद निर्वाचन के पश्चात् की अपनी पहली बैठक में या उसके उपरान्त उस निर्वाचन लेख से केवल सदस्यों का एक पैनल अधिविभाग की धारा 11 के अन्तर्गत केवलीय सरकार द्वारा नामांकन के लिये प्रस्तुत कर सकती है।

## 73. निर्वाचन की पद्धति संथा भतवात का तरीका

1. परिवद के चुनाव प्रामुखिक प्रतिनिधित्व की प्रणाली के मनुसार एकल संकेतिय सत द्वारा होगा।

2. जैसा अन्यथा उपर्युक्त है, उसके अधिविभाग प्रत्येक चुनाव में जहाँ भतवात कराया जाता है भत गृह भतवात द्वारा दिये जायेंगे संथा प्रत्येक भतवात अपना मत, इसके लिये बताए गए केवलों में स्वयं देगा, जब तक कि किसी भतवात को डाक द्वारा भतवात के लिये जैसा कि इसके माने प्रावधान किया गया है, अनुमति न दी गई ही।

## 74. भतवात के मन्त्र

प्रत्येक चुनाव में भतवात केवल स्वापित करने के लिये भतवाताओं की अधिविभाग संख्या परिवद निर्वाचित करनी और निर्वाचन अधिकारी उतनी

मतदान केन्द्र स्थापित करेगा, जितने मतदान के पात्र सदस्यों की सूची में लिए गए व्यावसायिक पते के अनुसार ये मतदान केन्द्र 16 कि. मी. के बारे में हो।

#### 75. मतदान अधिकारी

निवाचन अधिकारी प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिए एक मतदान अधिकारी नियुक्त करेगा जो केन्द्र राजकीय कर्मचारी होता जाहिए और जितने भावशक्त समस्त होते उन्नें भ्रम्य लोगों को मतदान अधिकारी की सहायता के लिए नियुक्त कर सकता है। मतदान अधिकारी इन विधियों द्वारा नाम वर्ष कर्त्तव्यों के अतिरिक्त मतदान केन्द्र पर व्यवस्था का सामान्य प्रबाहरी होगा और किस तरह लोगों को मतदान केन्द्र में प्रवेश करने दिया जाए और केन्द्र में तथा केन्द्र के असौंपांस शान्ति तथा व्यवस्था बनाए रखी जाय, इसके बारे में व्यापेण दे सकता है।

#### 76. गुप्त चेम्बर तथा मतपत्र

प्रत्येक मतदान केन्द्र में एक गुप्त चेम्बर होगा और यह चेम्बर इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि कोई मतदाता किस प्रकार मतदान करता है, यह कोई ग्राम्य व्यक्ति न देख सके।

#### 77. मतदाताओं की पहचान

(1) मतदाता होने के बावेवार प्रतीक व्यक्ति को निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी गई मतदाताओं की सूची की एक प्रति पर अपने नाम के आगे हस्ताक्षर करने होंगे तथा वह हस्ताक्षर निवाचन अधिकारी द्वारा दिए गए हस्ताक्षरों से मतदान अधिकारी द्वारा विद्याएँ जाएंगी।

(2) मतदान अधिकारी मतपत्र दिए जाने से पूर्व किसी भी समय मतदाता होने का बावाकरने वाले किसी भी व्यक्ति के बारे में स्वेच्छा से यदि उसे उसकी पहचान के बारे में या मतदान केन्द्र पर उसके मतदान करने के बारे में कोई संदेह है या उसके नमूने के हस्ताक्षर उपलब्ध नहीं हैं तथा किसी प्रायांशु या उसके अधिकृत प्रतिलिपि के चाहौने पर आवश्यक हैं तो यह आवश्यक समझता ही उसकी पहचान के बारे में अपने आपने संकुष्ट करेगा।

(3) यद्यपि मतदान अधिकारी मतदाता अका दावा करते वाले व्यक्ति की पहचान के बारे में संकुष्ट नहीं हैं फिर भी वह मतपत्र दे सकता है। किन्तु इस मतपत्र को मतदाता में जालने के बाबा वह उसे एक अतिरिक्त दीवालन लिफाके में रखेगा जिस पर दिया हुआ मतपत्र लिखा होगा और उसे वह उपर्युक्त व्यक्ति से इस सम्बन्ध में एक पहल प्राप्त करके उसे अपनी टिप्पणी सहित, निर्वाचन अधिकारी को भेजेगा, जिसके सम्बन्ध में निर्वाचन अधिकारी का निर्णय अस्तित्व और निश्चयात्मक होगा।

(4) इस विनियम के अन्तर्मत किसी व्यक्ति के मतपत्र प्राप्त करने के अधिकार पर निर्णय लेते समय, किसी मतदान केन्द्र पर नियुक्त मतदान अधिकारी मतदाताओं की सूची में किसी प्रविष्टि पर इस प्रकार व्याख्या कर सकता है कि साधारण विधियों छापाई की भूल भूक को नज़र आव्याज किया जाए, यदि वह इस बात से संकुष्ट है कि कोई व्यक्ति वास्तव में वही मतदाता है जिसके सम्बन्ध में वह प्रविष्टि।

#### 78. मतदान अधिकारी द्वारा अपने पास रखने वाले अधिसेष

मतदाता को मतपत्र देते समय मतदान अधिकारी मतदान के पाल्स सदस्यों की सूची में मतदाता के नाम के आगे एक निशान लगा देगा जिससे वह पता चल सके कि उसे मतपत्र दिया जा चुका है। वह मतदाताओं को दिए गए मतपत्रों का भी सेवा इस प्रकार रखेगा जैसा निर्वाचन अधिकारी का निर्देश हो।

#### 79. मतपत्र प्राप्त करने के पश्चात मतदान करने का तरीका

1. मतपत्र प्राप्त करने के पश्चात मतदाता तुरत गृह ज्ञ जो उसी कार्य के लिए निर्वाचित किया गया है, में जाकर, विनियम 38 में दिए गए तरीके से अपना मत अंकित करेगा। तुरत गृह वह मतपत्र को नोड्कर, गुरुत कर

छोड़ देगा और मतदान अधिकारी की उपस्थिति में इसी शार्य के लिए रखी गई मतदेटी में अपना मतपत्र छाल देगा।

(2) मतदेटी की बनावट जूम प्रकार होनी चाहिए कि मतदान के दौरान उसमें मतपत्र छाने जा सकें किन्तु बिना उसे खोले या सील नहीं हुए तिकारे न जा सकें।

#### 80. मतदान बारा मतपत्र की वापसी

1. यदि कोई मतदाता अपना मत अंकित करने के लिए मतपत्र लेकर उसे प्रयोग न करते रानिये रखता है, तो उस बनावट को मतदान अधिकारी को वापस करेगा ताकि वह प्रकार वापस किए गए मतपत्र को रखे—“वापस किया गया—” अंकित करके इस प्रयोजन के लिए बनाए गए एक अलग लिफाके में रखा जाएगा और इस प्रकार के सभी मतदेटी का हिसाब मतदान अधिकारी द्वारा रखा जाएगा।

2. यदि किसी मतदाता को मत अंकित करने के लिए दिया गया मतपत्र दिन के इस्ते में मतदान अधिकारी के गुप्त कल के निरीक्षण के समय वही पर गतिशील दायरा होना चाहिए है, तो उसमें नहीं अंकित किए गए हों ना नहीं, उसे उपर्युक्त (1) में दिए गए आवश्यक के अनुसार उसी प्रकार निर्वाचन अधिकारी द्वारा रखा जाएगा, जैसे कि वह मतदान अधिकारी को वापस कर दिया गया हो।

#### 81. मतदान केन्द्र पर प्रयुक्त कार्य विधि

1. यदि परियद द्वारा अन्वयनितेज न दिए गए हों, मतदान केन्द्र को मतदान के दिन, या विनों में मतदान के लिए प्रांत: 9 बजे से साप्तं 4 बजे तक खुला रखा जाएगा।

2. यदि इसके लिए निर्वाचित दिन किसी मतदान केन्द्र में मतदान नहीं हो सकता या उसमें किसी पार्याप्त कारणक्षण जावा पड़ी है या जाली गई है या मतदान केन्द्र पर रखी मतदेटी में हेराफेरी की गई है, या हुवेटना वश या जानवूक कर नष्ट हो गई या कर दी गई है या अपवाच्ची गई है या अभितिहत हो गई है, निर्वाचन अधिकारी या मतदान अधिकारी प्रतिवार्णानुसार मतदान को किसी अवलोकित कर सकता है या निर्वाचन अधिकारी उस केन्द्र पर मतदान को अमान्य घोषित कर सकता है और उसी पर उन्न: मतदान का आवेदन दे सकता है।

3. यदि उपर्युक्त (2) के अंतर्गत कहीं मतदान स्वभवित हुआ है या अमान्य घोषित किया गया है, निर्वाचन अधिकारी जिसके बावेवार मतदाता वही भी भूल भूक हो सकते, अनुबर्ती मतदान का स्थान, तिथि या तिथियां तथा समय निर्वाचित करेगा।

4. उपर्युक्त (3) के अन्तर्गत निर्वाचित स्थान, तिथि या तिथियां तथा समय अधिकृत रूप से सभी संभव मतदाताओं को सुचित किए जाएंगे तथा यदि समय हो तो गतिका में प्रकाशित किए जाएंगे।

5. निर्वाचन अधिकारी जब तक उन भूलों में पढ़े मतों की गिनती प्रारंभ नहीं करेगा जब तक कि उन निर्वाचन भूलों के बोर्ड ननों मतदान केन्द्रों में मतपत्र न हो जाएं।

6. उपर्युक्त (1) में निर्वाचित समय पर विन के अन्त में या यदि मतदान एक से अधिक दिन हो, निर्वाचन के अन्त में मतदान अधिकारी मतदान केन्द्र बत्त कर देगा, और उनके बाद कोई भी मतदाता वही प्रवेश नहीं कर सकेगा।

किन्तु यदि कोई मतदाता केन्द्र में बत्त होने से पूर्व वही उपर्युक्त है, उसे अपना मत देने का अधिकार होगा।

7. मतदान अधिकारी मतदान समाप्त होने के पश्चात या बत्त होने के पश्चात यदि मतदान एक से अधिक दिन हो, निर्वाचन अधिकारी को किसी उपर्युक्त प्रत्यावारी (प्रत्यःप्रत्ययो) या उनके अधीकृत प्रतिलिपि (यों) के समक्ष अपनी सील लगाकर तथा यथा जो भी प्रत्यावारी या उनके अधिकृत प्रतिलिपि थाएँ तो उनकी सील लगाकर सील कर देंगा।

8. मतदान अधिकारी नियमिति को अलग-अलग वैकेट में रखेगा।

- (i) मतपत्र जो प्रयुक्त नहीं हुए;
- (ii) वापस तथा रह किए गए मतपत्र;

(iii) मत देने के पाल संवयों की हस्ताक्षरित सूची; तथा

(iv) अन्य कोई कागदात, जो नियमित अधिकारी के आवेदनानुसार सीलबन्ध नियमके में रखे जाने चाहिए। इन सभी वैकेटों को अपनी सील लगाकर तथा एसे प्रत्याशी (प्रत्याग्रियों) या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की सील लगाकर, जो उप प्रवनी पर सील लगाना चाहते हैं— बन्द कर देगा। वह मतदेटो और ऐसे वैकेटों को सुरक्षित हृषि से रखते की अवधारणा चरेगा।

9. जब मतदान एक से अधिक दिन होने की अवस्था हो, तो बाद के दिन मतदान केन्द्र, सारे दिन प्रयोग के लिए बोलते के पूर्व मतदान अधिकारी ब्रावायन प्रत्याग्रियों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपरिक्ति में उपरिक्ति (7) एवं (8) के अन्यर्थ लगाई गीलों को स्वयं तथा प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधियों की परीक्षा के उपरांत तोड़ेगा।

10. उपरिक्ति मतदेटी तथा वैकेट के माय, मतदेटों का लेआ-ब्रोडा भी दिया जाएगा, जिसमें कुल प्राप्त हुए मतपत्र, जारी किए गए मतदान, अप्रयुक्त मतपत्र, वापस किए गए मतपत्र, तथा मतदेटी तथा वैकेटों में जितने मतपत्रों को दिलने चाहिए उनकी संख्या उल्लिखित होगी। यह लेआ-ब्रोडा नियमित अधिकारी को अपेक्षित किया जाएगा।

#### (82) मतदेटों का परिवहन एवं असिक्षा

नियमित अधिकारी एवं मतदान अधिकारी मतदेटों की अपेक्षा तथा विनियम 81 में बोलते सभी वैकेटों और देटियों की इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेकेटरीज आफ इंडिया के मुख्यालय तक सुरक्षित पहुंचाने की अवस्था करें। नियमित अधिकारी मतदानाना प्राप्तमध्य होने वक उनके सुरक्षित रखे जाने के लिए भी जिम्मेदार होगा।

#### 83. मतदान केन्द्रों में दूरी पर लगे सदस्यों द्वारा मतदान

मतदान अधिकारी नियमित अधिकारी द्वारा उम्मी भवायता के लिए नियुक्त लोगों विनियम 87(ब) में बोलते अधिकृत प्रतिनिधि, जो जिसी नियमित अधिकारी के मतदान हैं और डब्लू पर होने के कारण जिन मतदान केन्द्रों पर जो मतदान के पाल हैं, वहाँ जाकर मतदान करने में असमर्थ हैं वे जहाँ डब्लू पर होने वक मतदान केन्द्र पर मतदान करने के लिए अनुमति का प्राप्तना पत्र विवरित अधिकारी को इस प्रकार में कि उस नियमित अधिकारी के मतदान के लिए नियत नियम से कम से कम 30 दिन के पूर्व प्राप्त हो जाए। अदि नियमित अधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि उनका दावा न्यायसंगत है तो वह इस अवधारणे में भी गई अवस्थाओं के बावजूद, प्राप्तना को स्वीकार भकता है, तथा मतदान को जिस मतदान केन्द्र पर वह मतदान अधिकारी की सहायता के लिए या किसी प्रत्याशी के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में दूरी पर नैवान् है, परन्तु मतदान के लिए अनुमति दे लकड़ा है;

किसी हम प्रकार की अनुमति एक मतदान केन्द्र पर एक प्रत्यक्षी के अधिकृत एक से अधिक प्रतिनिधियों को नहीं दी जाएगी। इस प्रकार के अधिकृत प्रतिनिधियों की विस्तैरण से प्रत्याशी द्वारा नामित किया जाना चाहिए।

#### 84. डाक दारा मत देने की प्रक्रिया

1. कोई सदस्य जिसका नाम विनियम 63 के आवधानों के प्रति सदस्यों की सूची में सम्मिलित है, किसी जिसका नाम किसी मतदान केन्द्र के अन्तर्गत नहीं लिखा है, वह हम अध्याय भी उक्त वाक्यों के बावजूद डाक से मत देने का पाल होगा।

2. जिसी सदस्य को जो किसी मतदान केन्द्र पर मत देने का पाल है, नियमित अधिकारी के विवेकानुसार डाक दारा मत देने के लिए अनुमति दी

जा सकती है यदि वे नियमिति कारणों से अपने प्रावंटित मतदान केन्द्र पर मत देने योग्य नहीं हैं;

(क) मत देने के पाल सदस्यों की सूची में दिए गए पते से उसके पते में उस गाय, कस्बे या शहर से भिन्न स्थान पर 16 कि.मी. विज्ञा परिधि में अविकृत दूरी पर स्थाई परिधियाँ हो गया हैं।

(ल) उसका ब्रावायनाधिक पना, प्रावंटित मतदान केन्द्र से 16 कि.मी. विज्ञा परिधि में अविकृत दूरी पर है।

(ग) वह किसी स्थावी विवलांतरा में पीड़ित है।

3. जहाँ व्यावरातात्पर पने में स्वामी परिवर्तन नहीं हुआ है किसी एक सदस्य द्वारा सचिव को यह सूचित किया जाता है कि वह चुनाव की तिथि या तिथियों को जायद आगे वापस आवायनिक स्थान से बाहर रहेगा और प्रावंटित मतदान केन्द्र में जाकर मतदान नहीं कर पाएगा, उसे सचिव के विवेका द्वारा इस बात की अनुमति दी जा सकती है कि मतदान आक से प्राप्त कर सक और किसी भी मतदान केन्द्र में उसे आक सके, किन्तु यह इंस्टीट्यूट आक कम्पनी सेकेटरीज आक इंडिया की परिवेद द्वारा नियमित विशेष परिस्थितियों के अधीन होगा।

4. किसी सदस्य को जो प्राप्तने आवंटित मतदान केन्द्र से 16 कि.मी. विज्ञा दूरी पर अपने अवसरातात्पर पते के अनुसार निवास करता है ऐसे भी सचिव के विवेकानुसार उप विनियम (3) में दी गई विवाहत का नाम उन्हीं शर्तों के अन्तर्गत उठाने की अनुमति दी जा सकती है।

5. इस अध्याय की व्यवस्थाओं के अवश्यक जिसी वरस्थ को जो भारत में बाहर निवास कर रहा है, उक वारा मत देने का अधिकार है। यदि उसका विदेशी पता चुनाव के साठ दिन पूर्व इंस्टीट्यूट आक कम्पनी सेकेटरीज आक इंडिया में पंजीकृत करा दिया गया हो तो ऐसे सदस्य को उप विनियम (6) में ग्राह्यना पत्र देने की आवश्यकता नहीं होती।

6. उपरकृत कार्य एक प्रार्थना पंक्ति जिसकी विवेद वस्तु संबंध सदस्य द्वारा मतदान अधिकारी के नाम से इस प्रकार भेजी जानी चाहिए कि वह उसे नक्तदान की तिथि से बाइ दिन पूर्व प्राप्त हो जाए और जो प्रार्थना-पत्र उमे नियत अवधि में मही प्राप्त होगा उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

7. जिस सदस्य को डाक द्वारा मत देने की अनुमति दी गई है वह मत पत्र के साथ उत्तिव्रत पत्र में एक नियमित घोषणा भी संलग्न करके नियमित अधिकारी को देने गए।

8. इस विनियम द्वारा प्रवत रियलट का कोई भी दुरुपयोग या कोई अंतर्वर्ण विवरण, अवस्था घोषणा या असत्य स्थापन वरस्थ को विनियम 87(ब) के प्रार्थना अनुसासनात्मक कांस्ट्रक्शन का दायी बना देगा।

9. नियमित अधिकारी फ़िरी भी मतदान केन्द्र के मतदान का संचालन स्थापित कर भकता है किसी मेसा करने के लिए नियमित वाराणे देने होंगे।

85 जो मतदान आक द्वारा मतदान का पाल है, उसकी भवायत केन्द्र पर मत देने का गावता

जो मतदान विनियम 84 के अंतर्गत डाक द्वारा मत देने का पाल है, उसे नियमित अधिकारों उसके नियमित अधिकारी जेव में उसके डाक द्वारा इनियत किसी विवेद भवायत केन्द्र में जाकर मतदान करने तो अनुमति प्रदान कर सकता है, किसी इस बाये में उसका लियित भावेदा पंजीकृत डाक से नियमित अधिकारी के नाम पर इस प्रकार भेजा जाना चाहिए कि वह उसे मतदान की तिथि से कम से कम पंजीकृत भावेदा विवेद पूर्व प्राप्त हो जाए तथा जो आवेदन नियमित समय के भीतर नहीं पहुंचता उस पर तोई विचार नहीं किया जाएगा।

86. प्रत्येक मतदाता के स्वीकार्य मर्तों की संख्या एवं मत देने की पद्धति प्रत्येक मतदाता का केवल एक मतदाता किन्तु उसे उचित अधिनियमताएं उपलब्ध होंगी जिनने प्रत्याशी हैं। कन्दाता अपना मत देने के लिए—

(क) जिस प्रत्याशी को प्रथम अधिनियमता देना चाहता है मतदाता में उसके नाम के आगे वे वर्ष में १ (प्रथमी या रोमन अंकों या शब्दों में) अंकित कर देगा ; तथा

(ख) इसके अतिरिक्त वह मतदाता में अपने अधिनियमता कम में अन्य प्रत्याशीयों के नाम के आगे वे वर्ष में सं. २, या २ एवं ३ या सं. २, ३, तथा ४ (प्रथमी या रोमन अंकों या शब्दों में) या इसके अधिक अंकित कर देगा।

#### 87. बत्तपत्र

मत पत्र में निर्विचित दोष के चुनाव में लाभ सभी प्रत्याशीयों का नाम अंग्रेजी वर्णनियम के अनुसार दिया होगा तथा इंस्टीट्यूट का प्रतीक चिन्ह अंकित होगा।

87(क)।—निर्विचित अधिकारी द्वारा, जहाँ लागू हो, विनियम ८४ के अन्तर्गत आक द्वारा मतदाता भेजना।

निर्विचित अधिकारी मुख्यालय में डाक द्वारा मतदाता प्राप्त होने की अन्तिम तिथि से कम से कम इकाइस दिन पूर्व डाक द्वारा मतदाता करने के द्वारा या अनुमति प्राप्त अप्टेक मतदाता को मत पत्र रिकॉर्डिंग विलोवरी द्वारा दिया जाएगा, जिसके साथ मत अंकित करने के बारे में आवासक अनुदेश भी संलग्न होंगे, जिनमें एक बाहरी लिफाका साधारण डाक से मतदाता भेजने के लिए तथा अंदर का लिफाका मतदाता रखने के लिए होगा तथा जिस तिथि तक मतदाता निर्विचित अधिकारी के नाम से पहुंच जाना चाहिए उसका उल्लेख होगा।

#### 87(ख) मतदाता की आक से आपसी की प्रक्रिया

1. विनियम ८४ के उत्तर विनियम १ (२), (४) या (६) में वर्णित प्रत्येक मतदाता अपना मतदाता स्वयं अंकित करेगा, उसे मांड कर इसी विवाजन के लिए बनाए गए अंदर के लिफाके में रखेगा, उसे विपका भार बंद करेगा तथा लिफाके पर इस्ताकार के लिए उसे स्थान पर हस्ताकार करेगा।

2. उप-विनियम (१) का अनुसालन करने की उपर्युक्त प्रपत्र में एक हस्ताकारित विवरण भी मतदाता द्वारा भेजी जानी अनिवार्य है।

3. मतदाता, वंद किया हुआ तथा हस्ताकारित अंडल्सी लिफाका साधारण डाक से भेजने के लिए बाहरी लिफाके में रखेगा, उसे वंद करेगा, लिफाकार्या, उस पर सदस्य संख्या लिख कर दिय गए स्थान पर नाम लिखेगा तथा हस्ताकार करेगा और उसे इस अंकार डाक से भेजेगा कि वह संविध को विनियम ५९ के अन्तर्गत आक द्वारा मतदाता प्राप्त करने की निर्दिश की गई अंतिम तिथि तक पहुंच जाए।

4. मतदाता इंडिया से मतदाता की वंजीहत डाक से भेज सकता है।

#### 87(ग) अनिवार्य तथा नए मतदातों का विवरण

जहाँ विनियम ८७(क) के अधीन आक द्वारा भेजे गए मतदाता और संलग्न कांगड़ात रास्ते में अनिवार्य हो गए या खो गए हों या किसी काण्डवा अधिकारी वापस नहीं हो या मतदाता द्वारा प्राप्त भई किए गए हों, तब उन्हें अधिनियमता होने, जाने, वापस भाने या प्राप्त न होने के कारणों से संतुष्ट हो तो उन्हें मतदाता को सिविल अंकेन पर होकारा वंजीहत डाक से अधिनियमता हर से दो सारता है या जितना सलका है।

87(घ) प्रत्याशीयों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों का मतदाता केन्द्रों में या मतगणना के स्थान पर उपस्थिति।

चुनाव में जड़ा हुआ कोई प्रत्याशी प्रपत्र निर्वाचन अंद्र में किसी मतदाता केन्द्र में या मतगणना के मध्य स्वयं उपस्थित रह सकता है या किसी सदस्य की अपने प्रतिनिधि के द्वारा में उपस्थित रहने के लिए प्राविकारण पत्र दे सकता है किन्तु यह प्राविकारण पद्ध मतदाता अधिकारी या निर्वाचन अधिकारी के पास मतदाता या मतगणना, यथा स्थिति के पूर्व जाना हो जाना चाहिए।

#### 87(ङ) सहायकों तथा कांगड़ातों की नियुक्ति

1. निर्वाचन अधिकारी ऐसे व्यक्तियों की विन्दे वह अधित समझे नियुक्त कर सकता है, जो चुनाव संविधित किसी कार्य में उसका सहायता कर सके।

2. निर्वाचन अधिकारी मत पत्रों की जांच के लिए मतदाता में सामान्य तर्फ से उसको सहायता के लिए ऐसे दो या अधिक व्यक्तियों का विवाक भी नियुक्त कर सकता है, जो न तो परिवर्त के तदस्य हों न चुनाव में प्रत्याशी हों।

#### 87(च) मतगणना के लिए स्थान, समय तथा तिथि की सूचना

निर्वाचन अधिकारी मतदाता पांच तिथियों से पहलों तिथि के कम से कम एक हफ्ते दिन पूर्व चुनाव में जड़े सभी प्रत्याशीयों को इंस्टीट्यूट के मुख्यालय में मतगणना प्राप्तम भीने की तिथि तथा गमय सूचित कर देगा।

#### 87(छ) परिभाषा—-हस्त अध्याय में जब तक, प्रसंग में प्रत्याशी अपेक्षित न हो—

(१) “बने रहने वाला अध्यर्थी” से कोई अध्यर्थी अंतिम हो जाने के लिए विवाज नहीं हुआ है और किसी विवाज एवं समय पर मतदाता से अपवाजित नहीं किया गया है ;

#### (२) “गणना” से—

(क) अध्यायों के लिए अभिनियमत प्रथम अधिनामों की गणना में अन्तर्विलित सब क्रियाएं, प्रथम

(ख) निर्वाचित अध्यर्थी के अधिशेष के अन्तर्विलित सब क्रियाएं, प्रथम

(ग) अपवाजित अध्यर्थी के मर्तों के कुल मूल्याक के अन्तर्विलित सब क्रियाएं, प्रथमप्रते हैं ;

(3) “निर्गमित पत्र” से वह मतदाता अंकित हो जिस पर वहे रहने वाले अध्यर्थी के लिए आगे भी अधिनाम अभिनियमत नहीं है, परन्तु किसी पत्र की बाबत तभी यह समझा जाएगा कि वह निर्गमित है, जब कभी—

(क) वो या अधिक अध्यायों के नाम, जाहे वे भेजे रहने वाले हों या न हों एक ही अंक से विनियम है, और अधिनाम के कम में घागले हैं, अथवा

(ख) अधिनाम के अंक में अगले अध्यर्थी का नाम जाहे वह भेजे रहने वाला हो या न हो ऐसे अंक से, जो मतदाता पर किसी अध्यर्थी का क्रमबाटी अनुगमी अंक नहीं है या वो या अधिक अंकों से विनियम है।

(4) “प्रथम अधिनाम” से अंक १ अंकित है जो अध्यर्थी के नाम के सामने लिखा है, “द्वितीय अधिनाम”, से अंक २ अंकित है जो किसी अध्यर्थी के नाम के सामने लिखा है और “तृतीय अधिनाम” से अंक ३ अंकित है जो किसी अध्यर्थी के नाम के सामने लिखा है और इसी भावि आगे भी अंकित है।

(3) "दूर न" से जिसों भव्यर्थी के संबंध में वह मत अभियेत है जो ऐसे मतदाता से व्युत्पन्न है जिसमें ऐसे भव्यर्थी के लिए प्रत्यक्ष प्रविमान अधिलिखित है।

(4) "अधिशेष" से वह संक्षया अभियेत है जिसनी से किसों भव्यर्थी के मूल भीर अत्यरिक्त मतों का मूल्यांक कीटे के अधिक्षय में है;

(5) "अत्यरिक्त मत" से किसों भव्यर्थी के संबंध में वह मत अभियेत है जिस पर ऐसे भव्यर्थी के लिए दिसेय या पक्षवर्ती अधिमान अधिलिखित है; तथा

(6) "अत्यरिक्त पद" से वह भवपत्र अभियेत है जिस पर वहने बाले भव्यर्थी के लिए आये और अधिमान अधिलिखित है।

#### 87. (अ) डाक द्वारा प्राप्त मतों की गणना

(1) निवियम 87(अ) के अंतर्गत सुचित तिथि तथा समय पर, निवाचिन अधिकारी प्रवृत्ति उभ चुनाव शेष से संबंधित डाक द्वारा प्राप्त मत पत्रों पर आगे दी गई निधि द्वारा कार्यवाही करेगा।

(2) निवाचिन अधिकारी मतगणना के समय उपस्थित प्रधारायी या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों को डाक द्वारा प्राप्त मत पत्रों के लिकाफों का निरीक्षण करने तथा अपने आप को संतुष्ट करने का कि वे ठीक है सुचित अवसर प्रदान करेगा, किन्तु उन सिकाफों की हाथ में लेकर छोड़ा जाने की अनुमति नहीं देगा।

(3) जिन लिकाफों में डाक द्वारा प्राप्त भव पत्र निवाचिन अधिकारी द्वारा इसके लिए निश्चित समय भवाप्त होने के पश्चात् प्राप्त होते हैं या ऐसे सबस्थों से प्राप्त होते हैं जिनका नाम मतदाता के दिन या उससे पूर्व सदस्यता रिस्टर से हटा दिया गया है उन्हें खोला नहीं जाएगा और न ही उनमें रखे भवों की गणना की जाएगी।

(4) निवाचिन अधिकारी द्वारा अन्य लिकाफे एक एक कर के लिए जाएगे और जैसे ऐसे बाहरी लिकाफे उठाये जाते हैं निवाचिन अधिकारी द्वारा सर्वप्रथम उन पर निवाचित स्थान में मतदाता के हस्ताक्षरों की परीका की जाएगी।

(5) जिस लिकाफे पर मतदाता के हस्ताक्षर नहीं है, उसे न तो खोला जाएगा और न ही उसके बादर रखे गए भव को गिना जाएगा।

(6) जिन लिकाफों पर मतदाता के हस्ताक्षर है, उसे जैसे ही खोला जाएगा, निवाचिन अधिकारी अपने आपको संतुष्ट करेगा कि उनमें रखे गए चौप्यापत्र पर मतदाता ने विधिवत् घोषणा की है और हस्ताक्षर किए हैं।

(7) यदि मतदाता द्वारा घोषणा प्राप्त नहीं होती या वह विधिवत् नहीं की गई या हस्ताक्षर नहीं की गई है या सारतः त्रुटिपूर्ण है या इस लिकाफे में अन्यक्षणी लिकाफे और मतपत्र के अतिरिक्त कोई अन्य कागज है तो वह मतपत्र निवाचिन अधिकारी द्वारा निरस्त कर दिया जाएगा और निवाचिन अधिकारी द्वारा उपरी लिकाफे, अन्यक्षणी लिकाफे तथा मतपत्र पर यदि वह बिना अन्यक्षणी लिकाफे के प्राप्त होता है तो यथोचित टिप्पणी कर दी जाएगी।

(8) इस प्रकार के अन्यक्षणी लिकाफे या भवपत्र, बाहरी लिकाफे में पुनः रख दिये जायेंगे और इन्हें अलग पैकेट में रखा जाएगा, जिन्हें सोल कम्ब करके उन पर चुनाव शेष का नाम, मतगणना की तिथि, और इसके अवसर की सामग्री का संक्षिप्त विवरण दिया जाएगा।

(9) जिस अन्यक्षणी लिकाफों पर इस नियम के सूच वर्णित प्रावधानों के अन्तर्गत कार्यवाही नहीं की गई, उन्हें एक, एक करके खोला जाएगा और निवाचिन अधिकारी प्रत्येक लिकाफे से मतपत्र निकालेगा और उसकी

संख्या एक विवरण में दर्ज करेगा तथा इन मतदातों को प्रत्यग से एक पैकेट में रखेगा।

#### 87. (ब) मतपेटियों की जांच व खोलना

(1) तलवारात निवाचिन अधिकारी मतपेटियों में रखे या उन पर आये दिए गए तरीके से कार्रवाई करेगा।

(2) किसी मतपेटी को खोले जाने से पहले, निश्चित अधिकारी, प्रस्तावीया या मतगणना में उपस्थित उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों को मतपेटियों को और भवदाता अधिकारीयों से प्राप्त पैकेटों तथा उन्होंने सोनों को खोलने के और अपने आपको इसके बारे में संतुष्ट करते ही वे तो न है समुचित अवसर प्रदान करेगा किन्तु उन्हें मतों या फिरों से छोड़ा जाने की अनुमति नहीं देगा।

(3) निवाचिन अधिकारी अपने आपको भी संतुष्ट करता ही किसी मतपेटी में कोई गडबड नहीं की गई और उनि रइ इसी तरीके निवाचिन मतपेटी में गडबड की गई है तो वह उसमें रखे मतदातों को निन्तो नहीं करेगा और इन मत पेटियों का विवरण हिसों संबंधित चुनाव प्राविका के लिए रखेगा।

(4) जो मतपेटियों ठीक होंगी उन्हें खोला जाएगा और उन्हें से मत पत्र निकाल कर दिये जाएंगे तथा उनका विवरण दर्ज किया जाएगा।

(5) नियम 87 (ज) के उत्तरवियम (9) के अंतर्गत डाक से पाठ्य तथा पैकेट में रखे गए मतदातों का मतपेटी से निन्तो गए मतदातों में भिला दिया जाएगा और उनकी बैधता आदि की जांच को कार्यवाह प्रारंभ की जाएगी।

#### 87. (ग) मतपत्रों को अवैध घोषित करने के कारण

मतपत्रों को अवैध कर दिया जाएगा,

(क) यदि मतदाता इस पर अपना नाम लिखा है या हस्ताक्षर करता है या इस पर नियम 86 में अनुमत्य देव अंकों को छोड़कर कोई देव या अंक लिखा है या कोई निशान लगाता है जिससे मतपत्र पहचाना जा सके या मतदाता को पहचाना जा सके; या

(ख) यदि इसमें संस्थान का प्रतोक लिखा नहीं हो;

(ग) यदि इस पर सं. 1 नहीं लिखी गई हो;

(घ) यदि इस पर सं. 1, एक से प्रधिक प्रत्याधियों के नाम के जाने लिखी गई हो;

(ज) यदि सं. 1 और अन्य कोई संख्या उसी प्रधारायी के नाम; या दिया जाए हो;

(ज) यदि यह घोषित नहीं है या अनिवाचितता के कारण अमात्य है; या

(झ) यदि यह नक्ली मत पत्र हो या इन्होंने कुरी तरह अतिग्रस्त या विहृत हो कि उसको वास्तविक मतपत्र के रूप में पहचान न की जा सके।

#### 87. (घ) विधिमात्र्य मतदातों का पासलों में रखना मानता है

(1) निवाचिन अधिकारी उन मतदातों को जिन्हें यह देव मानता है वे उन मतपत्रों से जिन्हें वह अस्वीकृत करता है उन पर भस्त्रीकृत की टिप्पणी ते हुए तथा "अस्वीकृत" के कारण लिखो कुरी अवैध कर देव।

(2) जो स्वास्थ्य अधिकारी है उनके प्रतिकारित करने के पश्चात् निर्वाचन अधिकारी—

(क) शेष मतदातों को हर एक अध्यर्थी के लिए अधिनिवित प्रथम अधिकारी के अनुसार पार्सेलों में रखेगा;

(ख) हर एक पार्सेल में के मत लाई रखा गया होगा और उनको संभाल अधिलिखित करेगा; तथा

(ग) हर एक अध्यर्थी के नाम उनके पार्सेल के मतदातों के मूल्यांक आकृति करेगा।

#### 87. (ठ) कोटे का अधिनिवित:

हर विधिमाला मतपत्र मूल्यांक 100 का समान आण्गा और अध्यर्थी का निर्वाचन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कोटा निम्नलिखित रूप में अधिकारित किया जाएगा—

(क) विनियम 87 (ट) के उपनिवित (2) के अंडे (ग) के अधीन सभी अध्यर्थियों के नाम आकृति मूल्यांकों को जोड़ें;

(ख) जोड़ को उस संदर्भ में विभाजित कीजिए जो भरी जाने वाली रिकितों की संख्या से एक अधिक है; तथा

(ग) यदि कुछ शेर बचता है तो उनका छाता न रखते हुए भाग फल में 1 जोड़ और कलमस्त्रूप जो मंडा निरूपित करी कोटा है।

#### 87. (ड) सामान्य अनुदेश

विनियम 87 (३) से 87 (४) के अनुपालन में निर्वाचन अधिकारी सभी विधियों को तथा चुने हुए प्रत्याशियों या चुनाव से लिकाले गए प्रत्याशियों के पक्ष में बिंदु गण अधिकारियों की अद्देश करेगा।

87. (३) जिन अध्यर्थियों को कोटा प्राप्त हो गया है वे निर्वाचित हो जाएंगे।

यदि किसी गणना के बाह्य होने पर या अपवाजित अध्यर्थी के किसी पार्सेल या उप पार्सेल के अन्तरण के पश्चात् अध्यर्थी के नाम आकृति मतदातों का मूल्यांक कोटे के बराबर है या कोटे से ऊपर है तो वह अध्यर्थी विकारिष्ट घोषित कर दिया जाएगा।

#### 87. (४) अधिशेष का अन्तरण

(1) यदि किसी गणना के बाह्य होने पर या अपवाजित अध्यर्थी के नाम आकृति मतदातों का मूल्यांक कोटे से ऊपर है तो अधिशेष उन बचे रहने वाले अध्यर्थियों के पक्ष में हस्त विनियम के उपवर्धों के अनुसार अन्तरित कर दिया जाएगा जो कि उस अध्यर्थी के मतदातों में निर्वाचन के अधिकार नाम में निर्दिष्ट अनुगामी के रूप में उपलब्धित है।

(2) यदि एक से अधिक अध्यर्थी को एक से अधिक अधिशेष प्राप्त है तो अधिकार अधिशेष से पहले बरता जाएगा, दूसरों से उनके परिणाम नाम के अनुसार बरता जाएगा; बारें कि

प्रथम गणना में उद्भूत हर अधिशेष से दूसरी गणना में उद्भूत अधिशेष के मुकाबले में पहले बरता जाएगा और दूसरी नाम में अनुकरी अधिशेषों से बरता जाएगा।

(3) जहाँ कि विनाश के लिए एक से अधिक अधिशेष है और दो या अधिक अधिशेष नामान है, वहाँ हर एक अध्यर्थी के मूल नामों को द्वितीय अधिशेष अधिशेष संबंधित विनाश किया जाएगा और यदि उनके मूल नामों के मूल्यांक समान हैं तो रिटार्निंग आफिलर लाठ द्वारा यह विनाशक्षय करेगा कि किस अध्यर्थी का अधिशेष संबंधित विनाश किया जाए।

(4) (क) यदि किसी अध्यर्थी का वह अधिशेष, जो अन्तरित किया जाता है केवल मूल नामों का ही उद्भूत हुआ है, तो निर्वाचन अधिकारी उस अध्यर्थी के पार्सेल में के सब मतदातों की पहचान करेगा, अध्येषित पक्षों को उनमें अधिनिवित निर्दिष्ट अनुगामी अधिकार के अनुसार उप पार्सेल में विभाजित करेगा और अधिनिवित पक्षों का एक पृष्ठक उप पार्सेल बनाएगा।

(ख) वह हर एक उपपार्सेल में के मतदातों का और सब अध्येषित मतदातों का मूल्यांक अधिनिवित करेगा।

(ग) यदि अध्येषित मतदातों का मूल्यांक अधिशेष के बराबर है या उससे कम है तो वह सब अधोदित मत वर्गों को उम मूल्यांक पर, जिस पर वे उस अध्यर्थी को प्राप्त हुए जिसका अधिशेष अन्तरित किया जा रहा है अन्तरित करेगा।

(घ) यदि अध्येषित मतदातों का मूल्यांक अधिशेष से अधिक है तो वह अध्येषित मतदातों के उप पार्सेलों का अन्तरण करेगा और वह मूल्यांक, जिस पर हर एक मतपत्र अन्तरित किया जाएगा, अधिशेष को अन्तरित मतदातों की कुल संख्या से विभक्त करके अधिनिवित किया जाएगा।

(5) यदि किसी अध्यर्थी का वह अधिशेष, जो अन्तरित किया जाता है, अन्तरित और मूल नामों वे उद्भूत हुए हैं तो, विनाश अधिकारी अध्यर्थी को सबसे अन्त में अन्तरित उपपार्सेल में के सब अन्तरणों की तुलना प्रयुक्त करेगा, अध्येषित मतदातों को उन पर अधिनिवित निर्दिष्ट अनुगामी उपपार्सेल में विभाजित करेगा और तब उपपार्सेल से उती रीति में बरतेगा जैसी उपनियम (4) में निर्दिष्ट उपपार्सेल की बद्दा में के लिए उपचयित

(6) प्रत्येक अध्यार्थी को अंतरित किए गए कागजात उप प्रत्यायी के कागजात में उप पार्सेल के रूप में जोड़े जाएंगे।

(7) किसी निर्वाचन प्रथानामी के पार्सेल या उप पार्सेल में गमी कागजात, जो इस विनियम के अधीन अंतरित जाहीं किए जा सके हैं, वहाँ यह मानकर अलग रख दिया जाएगा कि उन पर अंतिम कार्रवाई हो चुकी है।

#### 87. (५) मतदाता में के फिलातम अध्यर्थी का अधिकार

(1) यदि सब अधिशेष के ऐसे अन्तरित कर दिए जाने के पश्चात जैसे एतत्स्मान्यूर्ध उपचयित है, निर्वाचित अध्यर्थियों की संदर्भ निर्वाचित से कम है तो निर्वाचित अधिकारी मतदाता के निर्वाचन अध्यर्थी को मतदाता से अपवर्गित कर देगा और उतके अध्येषित मतदातों को वो रूपों वाले अध्यर्थियों के दीच उन निर्दिष्ट अनुगामी के अनुसार विनाश कर देगा और उन पर अधिनिवित है और किंहीं अध्येषित मतदातों को अनिमत्तेण बरते गए के रूप में अलग रखा जाएगा।

(2) अपवर्जित अध्यर्थी के मूल पक्षों को अन्तरित रखने वाले सर्वप्रथम अन्तरित किए जाएंगे और हर एक मत पक्ष का अन्तरण मूल्यांक एक से होगा।

(3) अपवर्जित अध्यर्थी के अन्तरित मार्गों को अन्तरित रखने वाले मतपत्र अन्तरण के उप कम में, जिनमें, और मूल्यांक पर जिनमें उसने उन्हें अधिनिवित किया था, अन्तरित किये जाएंगे।

(4) ऐसे हर एक अन्तरण की बाबा यह समझा जाएगा, कि वह पृष्ठक अन्तरण है जिसपर गणना नहीं है।

(5) यदि मतों के अन्तरण के कलम्बल अध्यर्थी द्वारा अधिनिवित मतों का मूल्यांक कोटे के बराबर है तो उससे ऊपर ही जाता है तो उस समय बलने वाली गणना पूरी की जाएगी किन्तु कोई अन्य मतदाता उसे अन्तरित न किए जाएंगे।

(6) इस नियम द्वारा निर्विभृत प्रक्रिया मतदान में निम्नतम अधिकारीयों में से एक के पश्चात् इसरे के निर्वाचित द्वारा यह एतत्स्मिन पश्चात् उप-बंधित रूप में भर न जाए।

(7) यदि किसी समय अधिकारी का अपवर्जन करना आवश्यक हो जाता है और दो या अधिक अधिकारीयों के असमान मतों का मूल्यांक एक ही है और वे मतदान में निम्नतम है तो एक हर अधिकारी के मूल मतों को विचार में लिया जाएगा और जिस अधिकारी को चूनाम से भर मिलेंगे उसे अपवर्जित कर दिया जाएगा और उसके मूल मतों का मूलांक बराबर है तो उस मध्ये पहले वाले गणना में, जिसमें इन अधिकारीयों के असमान मूल्यांक के सबसे पोष्टे मूलांक वाला अधिकारी अपवर्जित किया जाएगा।

(8) यदि मतदान में दो या अधिक अधिकारीयों निम्नतम है और सब गणनायों में हर एक के मतों का मूलांक बराबर है तो निर्वाचित अधिकारीयों द्वारा नियमित करेगा कि कौन सा अधिकारी अपवर्जित किया जाए।

#### 87. (ग) अनियम रिकार्डों की पूर्ति

(1) जब कि किसी गणना के खल्म होने पर वो रहो वाले अधिकारीयों की संख्या घट कर तब भी गई योग्य रिकार्डों की संख्या के बराबर हो जाती है तब जब रहो वाले अधिकारीयों को निर्वाचित घोषित किया जाए।

(2) जब कि किसी गणना के खल्म होने पर केवल एक रिकार्ड बिनावर्दी रह जाती है और किसी एक अधिकारी के भत्ताकारों का मूल्यांक किसी अन्तर्वित न किए गए अधिकारीयों सहित अन्य वो रहने वाले अधिकारीयों के भत्ता पत्रों के कुल मूल्यांक से आविष्कार में है तब यह अधिकारीयों नियमित घोषित किया जाएगा।

(3) जब किसी गणना के खल्म होने पर केवल एक रिकार्ड बिनावर्दी रह जाती है और वो रहो वाले अधिकारीयों दो ही रह जाते हैं और उसमें से हर एक के मतों का मूल्यांक एक बराबर है और कोई अन्तरण के बोग्य अधिकारीयों नहीं यहां है तब निर्वाचित अधिकारीयों द्वारा यह नियमित करेगा कि उनमें से कौन सा अपवर्जित किया जाए और उसको पूर्वोक्त रूप में अपवर्जित करने के पश्चात् इसरे अधिकारी को नियमित घोषित किया जाएगा।

#### 87. (द) पुनर्जनन के लिए उपचरण

(1) कोई अधिकारी या उसकी अनुसन्धिति में उसका प्राधिकार प्रतिनिधि मतों की गणना के द्वारा या तो मतों के (बहु वे अधिलेखित हों या अन्य प्रकार के हो) किसी प्रबन्धण के भारमध्ये के प्रवृत्त या समिति के पश्चात् किसी समय नियमित अधिकारीयों से आव्यूह कर रक्खेंगा कि यह सब अन्तरण के अधिकारीयों या किसी अधिकारीयों के भत्ता पत्रों की (जो ऐसे मतपत्र नहीं हैं जिन्हें इस आवार फर कि उनकी वाचन अन्तिम रूपेण कार्यवाही कर दी गई है किसी पूर्वोक्त अन्तरण में अलग नहीं रख दिया गया है) पुनः पश्चात् और पुनर्जनन करे और नियमित अधिकारीयों द्वारा उसकी तरक्की पुनः पश्चात् और पुनर्जनन करेगा।

(2) नियमित अधिकारीयों द्वारा किसी वशा में, जिसमें किसी पूर्वोक्त गणना की विभुद्वारा की आवाज उपकासनाधान नहीं होगा है, मतों की गणना, पुनर्जनन या तो एक बार या एक से अधिक बार स्विवेतानुपार कर सकेंगा :

परन्तु इस उत्तराधिकार की किसीं बात से नियमित अधिकारीयों के लिए यह आवश्यक न हो जाएगा कि वह उन्हीं मतों की पुनर्जनन करेगा।

#### 87. (ज) परिणाम की घोषणा

परिणाम की घोषणा की नियमित विधि को नियमित प्रत्याख्यायों के नामों को घोषित किया जाएगा जिसका उन्हें चुनाव में लड़े सभी प्रत्याख्यायों को रजिस्टर्ड शाक द्वारा अलग अलग भेजा जाएगा। एवं प्रतिका में भी प्रकाशित किया जाएगा।

87. (न) आकस्मिन भून-बून से निर्वाचित प्रतीक नहीं होगा

नियमित में किसी आकस्मिक अव्यवधाती या प्रतिनिधित्वाती जैसे हिस्से मतदान की मतदान पत्र द्वेष्टे में अवश्यकित बुद्धि या विवरण, या उसका किसी मतदान द्वारा अवश्यकित रूप से न प्राप्त होता, या विवरण से प्राप्त होने के कारण उस कोई चुनाव प्रतीक नहीं माना जाएगा।

#### 87. (प) नियमित अधिकारीयों का नियंत्रण अधिकार

चुनाव के बारे में नियमित 87 (क) के अवधेन न केरन इन विधियों को अव्याप्ता के बारे में बल्कि अपनाई गई तारीख गणना जो इन विधियों के अन्तर्गत उल्लिखित नहीं है, के बारे में भी नियमित अधिकारीयों का नियंत्रण अधिकार होगा।

#### 87 (फ) चुनाव के बारे में विवाद

1. नामांकन के बारे में पैकूल के नियंत्रण या चुनाव परिणाम के बारे में नियमित अधिकारीयों के नियंत्रण या इससे संबंधित किसी मामले के बारे में जो चुनाव की प्रक्रिया में मूल्यवर्ण हो, कोई आवेदन चुनाव परिणाम की आवाजा के 30 दिन के अंदर किसी पहिले प्रत्याप्त द्वारा परिवर्त का भेजा जाएगा और परिवर्त उसे केवल सर्वोत्तम द्वारा व्यापार 10 का उन्नामन (३) के अन्तर्गत नियुक्त किए गए न्यायाधिकारण का भेज़ देगा।

2. न्यायाधिकारण अपना नियंत्रण देते समय खंड के बारे में जैसा उल्लिखित समझे भावेश देते सकता है।

3. यदि न्यायाधिकारण इस बात से सन्तुष्ट है कि बात 10 का उन्नामन (२) के अन्तर्गत दिया गया कोई आवेदन सार्वजनिक या व्यापार व्यापार पर नहीं था, वह परिवर्त की खर्च दिए जाने का आवेदन कर सकता है।

#### 87(ब) सभ्यों के विश्वद चुनाव प्रक्रिया से संबंधित अनुमानन्दकार्य

(1) यदि कोई मदद्य इंटरट्रूट की परिवर्त के चुनाव में उपनियमित 2 के नियमित खंडों (क), (ख), (ग), (घ) (इ) या (ज) का उल्लंघन करने का दोषी पाया जाता है तो वह परिवर्त द्वारा अनुशासनात्मक कारंटाई का उत्तरदायी होगा।

2. कोई प्रत्याख्यायों उपनी उम्मीदवारी के गुणात्मक पहलुओं पर प्रकाश दालें हुए, उपनी योग्यता तथा अव्याप्ति का अपने योग्यता के बारे में एक सरकूलर पद जारी कर सकता है। परिवर्त के चुनाव के बारे में जारी कोई सरकूलर, नियमित अपेक्षायों या परिवर्त द्वारा चुनाव में शालीनता बनाये रखने के द्वितीय दोषों में जारी किए गए सामंदरिक तिक्कालों के अनुगार होगा, यथा—

(क) इस प्रकार का सरकूलर मार्गदर्शकों को जारी किए जाने के 10 दिन के अन्वय प्रतिवर्त के नाम से सुचता एवं अधिलेख के लिए अवश्य सेजा जाना चाहिए;

(ख) सरकूलर में प्रत्याख्यायों के बारे में तथ्यात्मक सुचना होनी चाहिए तथा उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में किसी अन्य प्रत्याख्यायों के बारे में कोई संदर्भ नहीं होना चाहिए;

(ग) प्रत्याख्यायों में अपने बारे में जो सुचना इन्टरट्रूट की दी है उसमें तथा सरकूलर में दी गई सुचना में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होना चाहिए;

(घ) सरकूलर में जाति, वर्ग, संघरण या क्षेत्र के आधार पर यस वातावरों से कोई अपील नहीं होगी;

(इ) सरकूलर की केवल नियमित खंडों के मतदानायों के बीच ही विवरित किया जाएगा;

(ब) दाताओं ही नामहर स्थीरता होने के बाद ही सरकूलर जारी किया जाएगा।

## ध्याया :

इस उप-विनियम के लिए 'सरकूलर' शब्द में ऐसा कोई वैयक्तिक पक्ष शामिल नहीं होगा जो किसी व्यक्ति विशेष को लिखा गया हो, जिसमें मत देने की प्रार्थना हो, किन्तु यदि ऐसा ही पत्र कोई मतदाताओं को लिखा जाता है तब वह सरकूलर माना जाएगा।

3. यदि कोई सदस्य परिषद के चुनाव से संबंधित निम्नलिखित में से एक या अधिक पद्धति अपनाता है, वह परिषद द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई का जिम्मेदार होगा ।

(क) धूस, जिसका लाप्त्य किसी प्रत्याशी द्वारा या उसके गुप्त सहयोग से किसी व्यक्ति को उपहार, या उपहार के आश्वासन या किसी तुष्टिकरण से है, जिसका प्रत्यक्ष या परोक्ष उद्देश्य—

(i) किसी सदस्य को चुनाव में जड़े या न जड़े होने के लिए चुनावाना है ।

(ii) किसी प्रत्याशी की नाम वापस लेने के लिए कुसलाना या नाम वापस लेने के लिए पुरस्कृत करना; और

(iii) किसी मतदाता को मत देने या न देने के लिए कुसलाना या इस प्रकार करने या न करने के लिए पुरस्कार देना ।

## ध्याया—

इस उप-विनियम के लिए तुष्टीकरण शब्द केवल वित्तीय तुष्टीकरण या इसमें अधिक जाने वाले तुष्टीकरण से है जिसमें सभी प्रकार के मनोरंजन, पुरस्कार के लिए सभी प्रकार की नीकरियों शामिल हैं, किन्तु चुनाव के भावस्थक खंड शामिल नहीं हैं ।

(ब) अनावश्यक दबाव, जिसका लाप्त्य है कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष हस्तक्षेप या किसी प्रत्याशी या अस्थ व्यक्ति द्वारा उसकी मिली भागत से मतदान के मुक्त भ्रष्टिकार में किसी प्रकार का हस्तक्षेप ।

(ग) प्रत्याशी या किसी अस्थ व्यक्ति द्वारा उसकी मिलीभगत से ऐसे किसी विवरण का प्रकाशन जो भूल है, या उसे पता है कि भूल है या उसे पता है कि यह सब नहीं है । जो किसी प्रत्याशी के कार्य या भ्रष्टिकरण के बारे में या किसी प्रत्याशी की उम्मीदवारी या नाम वापस लेने के बारे में, सोश समस्य कार उस प्रत्याशी के चुनाव परिणाम पर विपरीत असर डालने के लिए प्रकाशित किए गए हैं ।

(घ) भारत सरकार में या किसी आदेशिक सरकार में काम कर रहे किसी व्यक्ति से यदि वह मतदान का पात्र सदस्य है, मत देने के अतिरिक्त प्रत्याशी के चुनाव परिणाम में प्रोत्साहन के लिए कोई अस्थ सहायता प्राप्त करना, लेना या लेने या प्राप्त करने का प्रयत्न ।

(ङ) उपरोक्त उप-विनियम (क) से (घ) तक यिन्हा यथा कोई यार्थ यदि किसी सदस्य द्वारा किया जाए जो प्रत्याशी नहीं है या जो सदस्य प्रत्याशी के साथ मिल कर इस प्रकार का काम करता है ।

(च) किसी सदस्य द्वारा कोई तुष्टीकरण प्राप्त करना या प्राप्त करने का समझौता—निम्नलिखित में से कोई कार्य करने के लिए पुरस्कार या प्रोत्साहन—

(i) प्रत्याशी के रूप में जड़े होने या न जड़े होने के लिए,

(ii) उम्मीदवारी वापस लेना;

(iii) अपने या किसी अस्थ व्यक्ति द्वारा मतदान करने या न करने के लिए;

(iv) किसी मतदाता की मत देने या न देने के लिए प्रोत्साहन देने या प्रोत्साहन देने का प्रयत्न करने के लिए; और

(v) किसी प्रत्याशी को नाम वापस लेने के लिए प्रोत्साहन देने या प्रोत्साहन देने का प्रयत्न करने के लिए

(६) इस अध्याय में किए गए प्रावधानों के उल्लंघन या दुरुपयोग के लिए, या इस अध्याय के प्रावधानों का पालन करने में कोई बदान देना, उसे भूल जाने द्वारा या यह जाने द्वारा कि सत्य नहीं है ।

10. उक्त विनियमों के अध्याय 12 में विनियम 114 के उप-विनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्पापित किया जायेगा, यथा :—

"(2) विनियम 87-व जैसा अधिकारी परिषद के विवरण के उप-विनियम (1) द्वारा लागू किया गया है, में किसी बात के हाते हुए भी, निर्वाचन अधिकारी—

(क) मतदानों के किसी भी वर्ष में निम्नतम प्रत्याशी की विवरण से अपवृत्ति नहीं करेगा—

(i) यदि कोई प्रत्याशी ऐसे राज्य या केन्द्र जासित शेष से है जहाँ विनियम 115 के उपविनियम (1) के अन्तर्गत एक या अधिक भूरीसित स्थान है; तथा

(ii) यदि वह उस राज्य या केन्द्र जासित शेष से अपेक्षा बना रहने वाला प्रत्याशी है या उसे सम्मिलित करके उस राज्य या केन्द्र में रहने वाले प्रत्ययियों की संख्या उस राज्य या केन्द्रजासित शेष के सिये आरक्षित स्थानों के बराबर या कम है ।

(ब) वह उसके ग्रामों निम्नतम प्रत्याशी की अपवृत्ति करेगा तथा यदि उस प्रत्याशी के मामले में भी बॉड (क) के प्रावधान लागू होते हैं, उससे अगले प्रत्याशी को, जिसके मामले में बॉड (क) का प्रावधान लागू नहीं होता है, जो प्रत्याशी बॉड (क) के अन्तर्गत अपवृत्ति नहीं किये गये यह उक्त निवाचन किये गये घोषित करेगा और भरे जाने वाले सेष स्थानों के सिये मतदानों जारी रखेगा ।"

11. विनियम 116 के उपविनियम (1) के द्वितीय परामुक में, "मतदान की तिथि" के स्थान पर "मतदान की तिथि" प्रतिस्पापित किया जायेगा ।

12. विनियम 116 के उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्पापित किया जायेगा, यथा :—

"(2) किसी अधिकारी परिषद के निवाचन के लिये जड़े प्रत्येक प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र के साथ मुद्रित वार्ता कार्यालय में प्रत्येक निर्वाचन के पूर्व परिषद द्वारा अधिवृत्ति फीस जो रु. 500 से अधिक नहीं होती, नकद या डिमार्ट ब्रॉडस्ट्रीट के रूप में जमा करनी होती जो किसी भी अवस्था में, नामांकन की अस्थी-हृति को छोड़कर वापस नहीं होती ।"

13. विनियम 117 के उपविनियम (4) में, "यदि अधिकारी परिषद का कोई सदस्य" शब्दों के बाद में, निम्नलिखित शब्द जोड़े जाएंगे यथा :—

"जिसमें परिषद का वह सदस्य" जो विनियम 111 के उपविनियम (2) के अपार (क) के अन्तर्गत अपवृत्ति नहीं किया गया, सम्मिलित है ।"

14. उक्त विनियमों के विनियम 167 के प्रथम परामुक में शब्द, ब्रेकेट व वर्ण "विनियम 61 का उपविनियम (2)" के स्थान पर शब्द, ब्रेकेट व वर्ण "विनियम 62 का उपविनियम (1)" प्रतिस्पापित किया जायेगा ।

परिषद के अधिकारी से,  
दी.पी. तुम्हारमन, सचिव

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES  
OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act,  
1980)

The Company Secretaries (Amendment) Regulations,  
1988

(ICSI No. 1 of August, 1988)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd August, 1988

No. 710(2)(M)(2).—Whereas, certain draft regulations further to amend the Company Secretaries Regulations, 1982, were published as required under sub-section (3) of section 39 of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980), at pages 1 to 27 of the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated the 20th October, 1987, under the notification of the Institute of Company Secretaries of India, dated the 1st October, 1987, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of forty-five days from the date of the notification and copies of the said notification were made available to the public on the 20th November, 1987;

And whereas, the objections and suggestions received from the public on the said draft regulations have been considered by the Council and the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 39, read with sub-section (3) of that section of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980), the Council, with the approval of the Central Government, makes the following amendments to the Company Secretaries Regulations, 1982, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Company Secretaries (Amendment) Regulations, 1988.

1. (2) Save as otherwise provided in these regulations, these regulations shall come into force from the date of their publication in the Gazette of India.

2. In the Company Secretaries Regulations, 1982 (hereinafter referred to as the said regulations), for regulation 3, the following shall be substituted, namely :—

“3. Register

The Register of members of the Institute shall be maintained in the proforma as provided in Schedule A and every member shall be required to communicate to the Institute any change of professional address, within one month of such change.

3. In sub-regulation (2) of regulation 32 of the said regulations, after the word “Journal”, the following shall be inserted, namely :—

“or Student Company Secretary a monthly bulletin published for students”.

4. In sub-regulation (3) of regulation 41A of the said regulations, for the proviso to clause (b), the following shall be substituted, namely :—

“Provided that a candidate who has appeared in the subjects of a group for which he was required to enrol and has secured sixty per cent or more marks in any subject(s) and a minimum of twenty-five per cent marks in each of the remaining subject(s) of the group but has failed in the group, shall be exempted from that or those subject(s) in which he secured sixty per cent or more marks, in any subsequent examination(s) on submission of an application in this behalf on or before the last date of enrolment for the examination in which he intends to appear :

Provided further that notwithstanding anything contained above, a candidate who has appeared in all the subjects of the group for which he was enrolled without obtaining any exemption and has failed in one paper comprised in the group but got a minimum of sixty per cent of the total marks of the remaining subjects of the group shall be declared to have passed in that group if he re-appears in that paper and gets forty per cent marks in anyone or more of the immediately next three following examinations.

EXPLANATION :

For the purposes of the first proviso, the marks obtained by a candidate in the subject(s) in which he had obtained exemption on the basis of having secured sixty per cent or more marks shall not be taken into account for computing his result for the remaining subject(s) of the group for any of the subsequent examination(s)”.

5. In sub-regulation (3) of regulation 44A of the said regulations, for proviso to clause (b), the following shall be substituted, namely :—

“Provided that a candidate who has appeared in the subjects of a group for which he was required to enrol and has secured sixty per cent or more marks in any subject(s) and a minimum of twenty-five per cent marks in each of the remaining subjects of the group but has failed in the group, shall be exempted from that or those subject(s) in which he secured sixty per cent or more marks, in any subsequent examination(s) on submission of an application in this behalf on or before the last date of enrolment for the examination in which he intends to appear :

Provided further that notwithstanding anything contained above, a candidate who has appeared in all the subjects of the group for which he was enrolled without obtaining any exemption and has failed in one paper comprised in the group but got a minimum of sixty per cent of the total marks of the remaining subjects of the group shall be declared to have passed in that

group if he re-appears in that paper and gets forty per cent marks in anyone or more of the immediately next three following examinations.

#### EXPLANATION :

For the purposes of the first proviso, the marks obtained by a candidate in the subject(s) in which he had obtained exemption on the basis of having secured sixty per cent or more marks shall not be taken into account for computing his result for the remaining subject(s) of the group for any of the subsequent examination(s).

6. After regulation 46, but before Chapter VII of the said regulations, the following shall be inserted, namely :—

#### “46A. Revival of exemption in an examination

If a candidate applies for and is allowed cancellation of exemption in any subject(s) obtained by him earlier or, of result of any group(s) of an examination passed by him earlier under any of the regulations, he shall not be eligible for revival of such exemption(s) or the benefit of having passed such group(s), as the case may be, in any subsequent examination(s).

7. For sub-regulation (2) of regulation 58 of the said regulations, the following shall be substituted, namely :—

“(2) An elected member of the Council shall, subject to the provisions of sections 13 and 14, hold office for a period of three years and shall not be required to vacate the membership of the Council if he changes his professional address from one Regional constituency to another”.

8. In regulation 57 of the said regulations, in sub-regulation (1), for the words “sixty days”, the words “ninety days”, shall be substituted.

9. For Chapter IX of the said regulations, the following shall be substituted, namely :—

### CHAPTER IX

#### ELECTIONS

##### 59. Dates of Election

The Council shall notify in the Journal at least ninety days before the date of expiry of the term of the existing Council, the dates fixed for the following stages of election of members to the Council, namely :—

- (a) the last date and time for receipt of nominations;
- (b) the date of the scrutiny of nominations;
- (c) the last date for withdrawal of nominations;
- (d) the date or dates of polling;

- (e) the last date for receipt of applications for permission to vote by post under regulation 84;
- (f) the last date for receipt of voting papers by post; and
- (g) any other date or dates for the conduct of election.

##### 60. Election Committee

An Election Committee consisting of the President, Vice-President and one government nominee on the Council, as may be nominated by the Central Government, shall generally supervise the conduct of elections to the Council and the Regional Councils in accordance with the regulations contained in this Chapter and Chapter XII :

Provided that where the President or Vice-President, as the case may be, is a candidate for election, the President or the Vice-President, as the case may be, or, both, shall be ineligible to continue as member(s) thereto and the resulting vacancy shall be filled up by the Secretary by nominating one, or, as the case may be, two persons not contesting the elections from out of a list of persons previously approved by the Council in the order of priority given in such list.

##### 61. Returning Officer

The Secretary shall be the Returning Officer who shall conduct the elections in accordance with these regulations.

##### 62. Members Eligible to Vote

(1) Subject to the other provisions of these regulations, a person whose name is borne on the Register on the 1st day of July of the year in which the election to the Council is to take place, shall be eligible to vote in the election from the regional constituency within whose territorial jurisdiction his professional address falls on the said date provided that his name has not been removed from the Register after the said date and before the date of poll :

Provided that if the professional address is not borne on the Register on the relevant date, the residential address borne on the Register shall determine his regional constituency.

(2) In the case of members having their professional addresses outside India and eligible to vote, their regional constituencies shall be determined according to their professional addresses in India registered immediately before they went abroad or the residential addresses in India borne on the Register on the relevant date, whichever is earlier.

##### 63. List of Voters

(1) At least ninety days before the date of the expiry of the term of the existing Council, the Returning Officer shall prepare a list of members of the Institute in each constituency eligible to vote, showing inter alia distinctly and separately—

- (i) whether any particular member is an Associate member or a Fellow member;

- (ii) the polling area or polling booth to which the voter is attached and where he should exercise his franchise, if the Returning Officer decides that his voting shall be in a polling booth, and not by post;
- (iii) the location of the polling booth and polling area for which each such booth has been selected; and
- (iv) whether any particular member is entitled to vote by post under regulation 84.

(2) Subject to the other provisions of these regulations, the address published in the list of members eligible to vote shall be final for determining the manner in which a member is entitled to cast his vote or the constituency or the polling booth to which he belongs for the purpose of casting his vote:

Provided that if a member attached to a particular polling booth in a city where more than one polling booth have been set up, finds that it would be difficult for him to vote at the polling booth to which he is attached, he may, at the discretion of the Returning Officer, be permitted to vote at another polling booth in the same city. Applications in this behalf in writing stating the reasons for the request must reach the Returning Officer at least forty-five days before the date of polling.

#### 64. Members eligible to stand for election

Subject to sub-regulation (3) of regulation 58, any member whose name is borne on the Register as a Fellow as on the first day of July of the year in which election is held and whose name continues to be borne on the Register on the date of declaration of results of election, shall be eligible to stand as a candidate for election to the Council from the regional constituency in which his professional address is included as a voter :

Provided that no member shall be eligible to stand as a candidate for election to the Council and to a Regional Council at the same time.

**Explanation :**—For the purpose of this Chapter, unless the context otherwise requires, "candidate" shall mean a member who is entitled to file and has filed his nomination for election to the Council under these regulations and whose name continues to be borne on the Register on the date of declaration of results of elections.

#### 65. Nominations

(1) The Council shall not less than ninety days before the date of expiry of the term of the existing Council, notify in the Journal the number of persons to be elected from each regional constituency and call for nominations of candidates for election to each regional constituency by a specified date which shall not be less than fourteen days from the date of issue of the notification.

(2) The nomination of a candidate shall be in the appropriate form duly signed by the candidate and by one proposer and one seconder all of whom shall

be persons entitled to vote in the election and shall be so delivered so as to reach the Returning Officer not later than the last date fixed for receipt of nominations.

(3) The nomination shall be accompanied by a statement duly completed, signed and verified by the candidate containing information concerning the candidate in respect of the following matters :

- (a) Name, membership number and professional address;
- (b) Age;
- (c) Academic and professional qualifications (University degrees, post-graduate diplomas given by any university and membership of professional bodies recognised by the Council).

(4). The statement referred to in sub-regulation (3) may also contain, at the option of the candidate, information concerning the candidate in respect of the following matters, namely :—

- (a) merit awards (in the degree/diploma examinations conducted by universities, examinations conducted by the dissolved company or the Institute and examinations conducted by any other institution recognised by the Council for the purpose);
- (b) particulars of present occupation :
  - (i) employment (Name of employer and official designation of candidate as given by employer);
  - (ii) practice as Company Secretary (sole proprietor or in partnership, including the name of the firm);
  - (iii) any other main occupation (applicable only if the candidate is not in any employment or practising as Company Secretary).
- (c) Other particulars :
  - (i) past and present membership of the Council, Regional Councils and Managing Committees of Chapters including office of President and Vice-President in the Council and office of Chairman, Vice-Chairman, Secretary or Treasurer in the Regional Councils and Chapters;
  - (ii) contributions in professional seminars and conferences organised by the Councils, its Regional Councils and Chapters;
  - (iii) authorship of books or articles on any subject directly related to corporate and business management and of interest to company secretaries;
  - (iv) academic positions held in universities and professional institutions recognised by the Council.
- (5) The candidate may, further, at his option furnish a copy of his recent passport size photograph.

## 66. Nomination fee

Every candidate standing for election shall, along with the nomination papers pay at the headquarters office a fee of not exceeding rupees one thousand as may be notified alongwith the notification of dates of election under regulation 59, by the Council before each election in cash or by demand draft which shall not be refundable under any circumstances except in the event of the rejection of nomination under sub-regulation (11) of regulation 67.

## 67. Scrutiny of nominations

(1) The Council shall appoint for each election a panel for the scrutiny of the nomination papers of all the candidates.

(2) The panel shall consist of three persons of whom one shall be the Secretary of the Institute and the other two shall be persons nominated by the Council from amongst the members of the Council referred to in clause (b) of sub-section (2) of section 9 of the Act, who shall be officers of the Central Government, provided that if one or more of such members are not available or unwilling to act, then such other person or persons as the Council may decide, in order of preference.

(3) A notification containing the names of the members of the panel appointed by the Council shall be issued to the members generally before the last date fixed for the receipt of nominations for the election for which the panel is appointed.

(4) The term of the panel shall end with the conclusion of the election for which it is appointed.

(5) The panel shall have the power to regulate its procedure in such manner as it considers just and expedient.

(6) The quorum of the panel for the transaction of its business shall be two.

(7) The decisions of the panel shall normally be unanimous. In case of difference of opinion among the members of the panel, the final decision shall be that of the majority of the members constituting the panel.

(8) In case a vacancy arises in the panel by reason of one or more members of the panel being unable to act for any reason, the vacancy shall be filled up by the Secretary out of the list of persons previously approved by the Council, in the order of preference.

(9) The panel shall scrutinise the nomination papers of all the candidates on the date fixed for the purpose and shall endorse on each nomination paper its decision whether it accepts, refuses or rejects the nomination. At such scrutiny of nominations, the panel shall allow any candidate or his authorised representative to be present, if he so desires.

(10) The panel shall record a brief statement of its reasons if it refuses or rejects a nomination.

(11) The panel shall refuse or reject a nomination if it is satisfied :

- (a) that the candidate was ineligible to stand for election under regulation 64 or he filed nominations for election to both the Council and Regional Council in contravention of proviso to regulation 64;
- (b) that the proposer or the seconder was not qualified to subscribe to the nomination of the candidate under sub-regulation (2) of regulation 65;
- (c) that the signature of the candidate or of the proposer or the seconder is not genuine or has been obtained by coercion or road;
- (d) that the provisions of regulations 65 and 66 have not been complied with, in that —
  - (i) the nomination was not in the appropriate form ;
  - (ii) the nomination fee was not paid as provided under regulation 66;
  - (iii) the nomination was not signed by the candidate, the proposer or the seconder ;
  - (iv) the nomination was not accompanied by a statement duly completed, signed and verified by the candidate as provided in sub-regulation (3) of regulation 65 ; or
- (v) the nomination was not delivered in the Institute on or before the last date and time fixed for receipt of nominations.

Explanation 1.—If the last date fixed for receipt of nominations under clause (a) of regulation 59 is subsequently declared as a holiday for the Institute or for delivery of registered posts by the local post office, the last day fixed shall be construed as the immediately next working day for the Institute or local post office, as the case may be.

## Explanation II

The panel may not reject a nomination paper on the ground of a technical defect which is not of a substantial character.

## Explanation III

The rejection of a nomination of a candidate by reason of any irregularity in respect of that nomination shall not be a ground for rejection of another nomination which is valid in respect of the same candidate.

## Explanation IV

If a proposer or a seconder incurs a disability by reason of the operation of the provisions of the Act and these regulations subsequent to the last date fixed for receipt of nominations, it shall not invalidate the nomination.

(12) Where the nomination (s) of a candidate have been rejected, the Returning Officer shall give notice of the decision of the panel together with a brief statement of the reasons therefor, to the candidate concerned by registered post within seven days from the last date fixed for receipt of nomination.

#### 68. Preparation of Lists of valid nominations

(1) On completion of the scrutiny of the nominations, the Returning Officer shall forthwith prepare a list of valid nominations received in respect of each regional constituency and cause a copy of the list to be sent by registered post to each candidate of the constituency within seven days of the last date fixed for receipt of nominations.

(2) The list shall contain the names in alphabetical order with the professional addresses of the candidates in respect of each regional constituency and, in case the professional address of a candidate is not borne on the Register on that relevant date, the residential address of such a candidate as on that relevant date borne on the Register.

#### 69. Withdrawal of nomination

(1) Subsequent to the receipt of the list of valid nominations sent under sub-regulation (1) of regulation 68, a candidate may withdraw his nomination by notice in writing, subscribed by him and delivered to the Returning Officer, on or before the last date fixed for such withdrawals which shall not be less than ten days from the date following the date of issue of the communication under sub-regulation (1) of regulation 68.

(2) A candidate who has withdrawn his nomination shall not be entitled to rescind his withdrawal.

#### 70. Intimation of final list of nominations to candidates and voters

(1) The Returning Officer shall omit from the list of valid nominations the names of candidates who have withdrawn their nominations and send the final list of contesting candidates (hereinafter referred to as "contesting candidates") in respect of each regional constituency to all the candidates of the constituency by registered post and to the voters of that constituency by recorded delivery post.

(2) The list shall also be accompanied by such particulars of all contesting candidates of that constituency as compiled, prepared and presented by the Returning Officer from the particulars to the extent supplied by the candidates under sub-regulations (3), (4) and (5) of regulation 65.

(3) In presenting the particulars required to accompany the list under sub-regulation (2) hereof, the Returning Officer shall—

(a) make use of the particulars furnished by the candidates under sub-regulations (3), (4) and (5) of regulation 65.

(b) not include anything, whether or not contained in the particulars furnished by the candidate as aforesaid except to the extent the particulars conform to the requirements of sub-regulations (2), (3), (4) and (5) of regulation 65; and

(c) correct any manifest errors that may have come to his notice.

(4) The particulars required to accompany the final list of nominations, as aforesaid shall prominently indicate that they have been compiled, prepared and presented on the basis of particulars furnished by the candidates under sub-regulations (2), (3), (4) and (5) of regulation 65 and that no responsibility is accepted by the Returning Officer as to the correctness of the said particulars.

#### 71. Death or cessation of membership of a candidate

If a contesting candidate dies or otherwise ceases to be a member before the date of declaration of the results of election, the election for the respective regional constituency shall be conducted amongst the remaining candidates belonging to the regional constituency and no fresh proceedings with reference to the election of members in that regional constituency shall be commenced.

#### 72. Candidates deemed to be elected if their number is equal to or less than the number of members to be elected

(1) Where the number of contesting candidates from any regional constituency is equal to or less than the number of persons to be elected from that constituency becomes equal to or less than the number of persons to be elected from that constituency by reasons of the death or cessation of membership of one or more candidates before the date of declaration of the results of election, the remaining candidates shall be deemed to be elected and the Returning Officer shall declare all such candidates as duly elected.

(2) Where the number of candidates elected under sub-regulation (1) from a regional constituency is less than the number of persons to be elected from the regional constituency, the Council may, at the first meeting held immediately following the election or thereafter, recommend a panel of Fellow members from that regional constituency for nomination by the Central Government under section 11 of the Act.

#### 73. System of election and manner of voting

(1) The elections to the Council shall be held in accordance with the system of proportional representation by means of a single transferable vote.

(2) Except as otherwise provided, at every election where a poll is taken, vote shall be given by secret ballot and every voter in any election, shall cast his vote personally in the booth provided for the purpose, unless a voter is allowed in respect of any election to cast his vote by post as hereinafter provided.

## 74. Polling booths

The Council shall specify for each election the number of voters necessary for setting up of a polling booth and the Returning Officer shall accordingly set up such number of polling booths as required provided the voters' professional addresses given in the list of members eligible to vote were not beyond a radius of sixteen kilometers from the polling booth allotted.

## 75. Polling Officer

The Returning Officer shall appoint a Polling Officer for each polling booth who should always be a government official and may also appoint such other persons as he may deem necessary to assist the Polling Officer. The Polling Officer shall in addition to performing any other duties imposed upon him by these regulations be in general incharge of all arrangements at the polling booth and may issue orders as to the manner in which persons shall be admitted to the polling booth and generally for the preservation of peace and order at or in the vicinity of the polling booth.

## 76. Secret Chamber and ballot paper

There shall be a secret chamber or chambers in each polling booth and such chamber shall be so arranged that where a voter records his vote on the ballot paper, no other person(s) can see how he has voted.

## 77. Identification of Voters

(1) Every person claiming to be a voter shall be required to sign against his name in the copy of the list of members eligible to vote as provided by the Returning Officer and his signature shall be verified by the Polling Officer with the specimen signature provided by the Returning Officer.

(2) At any time before a ballot paper is delivered to a person claiming to be a voter, the Polling Officer may, of his own accord, if he has reason to doubt the identity of the person or his right to vote at the polling booth, or if his specimen signature is not available with the Polling Officer, and shall, if so required by a candidate or his authorised representative, satisfy himself in any manner as he may deem advisable as to his identity or his right to vote.

(3) If the Polling Officer is not satisfied as to the identity of the person claiming to be a voter, he may issue a ballot paper to such person(s) but instead of getting the ballot paper inserted in the ballot box, he shall place the same in a separate sealed cover superscribed as "Tendered Ballot" and send it to the Returning Officer, alongwith a letter from the person concerned, together with his own observations thereon, for the decision of the Returning Officer which shall be final and conclusive.

(4) In deciding the right of a person to obtain a ballot paper under this regulation, the Polling Officer at any polling booth may interpret any entry in

the list of members eligible to vote so as to overlook merely clerical or printing error, provided that he is satisfied that such person is identical with the voter to whom such entry relates.

## 78. Records to be kept by Polling Officer

The Polling Officer shall at the time of delivery of the ballot paper place against the name of the voter in the list of members eligible to vote a mark to denote that the voter has received a ballot paper. He shall also keep a record of the ballot papers supplied to the voters in such manner as the Returning Officer may direct.

## 79. Manner of recording of vote after receipt of ballot paper

(1) On receiving the ballot paper, the voter shall forthwith proceed into the secret chamber set apart for the purpose and shall record his votes on the ballot paper in the manner specified in regulation 86. He shall thereafter fold the ballot paper, leave the secret chamber and insert the ballot paper in the ballot box provided for the purpose in the presence of the Polling Officer.

(2) The ballot box should be so constructed that a ballot paper can be inserted there into during the polling but cannot be withdrawn therefrom without the box being unlocked and the seals being broken.

## 80. Return of ballot paper by a voter

(1) If a voter after obtaining a ballot paper for the purpose of recording his vote(s) decides not to use the same, he shall return the ballot paper to the Polling Officer and the ballot paper as returned shall then be marked as "Cancelled-Returned" and kept in a separate envelope set apart for the purpose and a record shall be kept by the Polling Officer of all such ballot papers.

(2) If any ballot paper which has been issued to a voter for the purpose of recording his vote, is found left by the voter at the secret chamber, at the end of the day when the Polling Office inspects the secret chamber whether the vote has been recorded in it or not, it shall be dealt with in accordance with the provisions of sub-regulation (1) as if it had been returned to the Polling Officer.

## 81. Procedure at the polling booth

(1) A polling booth shall be kept open on the day or days appointed for taking of poll from 9 A.M. to 4 P.M. unless otherwise directed by the Council.

(2) If the polling at any polling booth cannot take place on the day or days appointed for the purpose or is interrupted or obstructed by any sufficient cause or the ballot box used at the booth is tampered with or is accidentally or deliberately destroyed, lost or damaged, the Returning Officer or the Polling Officer, as the case may be, may adjourn the polling to a subsequent date or the Returning Officer may declare the polling at the booth as void and order a fresh polling.

(3) If a polling is adjourned or declared void under sub-regulation (2), the Returning Officer shall, as soon as possible, appoint the place where the polling shall be subsequently conducted and the time, date or dates, as the case may be, for the said polling.

(4) The place, date or dates and the time of polling, appointed under sub-regulation (3), shall be notified individually to all the voters affected and, if possible, in the Journal.

(5) The Returning Officer shall not proceed to count the votes cast at the election until the polling at all the polling booths in the constituency has been completed.

(6) The Polling Officer shall close the polling booth at the end of the day, or if the polling is for more than one day, at the end of each day, at the hour appointed under sub-regulation (1), and no voter shall be admitted thereto after that hour :

Provided that any voter present in the polling booth before it is closed, shall be entitled to cast his vote.

(7) The Polling Officer shall, as soon as practicable, after the close of the polling or after its close on each day, if the polling is for more than one day, in the presence of any candidate(s) or their authorised representatives who may be present, seal the ballot box with his own seal and the seals of such candidates or authorised representatives as may desire to affix their seals thereon.

(8) The Polling Officer shall also make into separate packets :

- (i) the unused ballot papers;
- (ii) the returned and cancelled ballot papers;
- (iii) the signed copy of the list of members eligible to vote; and
- (iv) any other paper directed by the Returning Officer to be kept in a sealed cover,

and seal each such packet with his own seal and the seals of such candidates or authorised representatives as may desire to affix their seals thereon. He shall arrange for the safe custody of the ballot box and such packets.

(9) Where the polling is arranged to take place for more than one day, just before the polling booth is opened to the voters on the following day, the Polling Officer shall, in the presence of any candidate(s) or their authorised representatives who may be present, remove the seal or seals affixed in accordance with sub-regulations (7) and (8), after the seals are examined by him and by the candidate(s) or authorised representatives, for use during the course of that day.

(10) The ballot box and packets, referred to earlier shall be accompanied by an account of ballot papers showing the total number of ballot papers received, issued and un-used, returned, as also the number of

ballot papers which should be found in the ballot box and packets. This account shall be forwarded to the Returning Officer.

#### 82. Transport of ballot papers and their custody

The Returning Officer and the Polling Officers shall make adequate arrangements for safe custody of the ballot papers and for safe transport to the headquarters of the Institute of all packets or boxes and other papers referred to in regulation 81. The Returning Officer shall also be responsible for their safe custody until the commencement of counting of votes.

#### 83. Voting by members employed on duty at polling booths

The Polling Officers, the persons appointed by the Returning Officer to assist the Polling Officer, or the authorised representatives referred to in regulation 87D who are voters for any constituency and who by reason of their being on duty at a polling booth, are unable to be present and to vote at the polling booth where they are entitled to vote, may send to the Returning Officer, so as to reach him at least thirty days before the date fixed for the poll at that constituency, an application for permission to vote at the polling booth where they will be on duty. If the Returning Officer is satisfied that the claim is just, he may, notwithstanding anything contained in this Chapter, allow the application and permit the voter to vote at the polling booth where he will be on duty to act as Polling Officer or to assist the Polling Officer or as authorised representative of a candidate :

Provided that such permission shall not be granted to more than one authorised representative of a candidate in respect of each polling booth, such authorised representative being specifically nominated for the purpose by the candidate himself.

#### 84. Eligibility to vote by Post

(1) A member whose name is included in the list of members eligible to vote published under the provisions of regulation 63 and whose name is not shown under any polling booth, shall notwithstanding anything contained in this Chapter, be entitled to vote by post.

(2) A member who is entitled to vote at a polling booth may be permitted at the discretion of the Returning Officer, to vote by post, if he is unable to exercise his vote at the polling booth allotted to him by reason of :—

- (a) there being a permanent change in his address from the address published in the list of members eligible to vote to another village, town or city beyond a radius of sixteen kilometers;
- (b) his professional address being beyond a radius of sixteen kilometers from the polling booth allotted to him; or
- (c) his suffering from any permanent infirmity.

(3) In a case where even though there has been no permanent change in his professional address, a

member has intimated to the Returning Officer that he would not be in a position to cast his vote at the polling booth allotted to him as he expects to be away from his professional address on the date or dates of polling, he may be permitted, at the discretion of the Returning Officer, to receive the ballot paper by post and allowed to cast the same at any polling booth, subject to such requirements as may be specified by the Council in this behalf.

(4) A member who is actually residing beyond a radius of sixteen kilometers from the polling booth allotted to him on the basis of his professional address may at the discretion of the Returning Officer also be given the concession provided in sub-regulation (2), on the same terms and conditions.

(5) A member who is residing outside India shall notwithstanding anything contained in this Chapter be eligible to vote by post provided that his overseas address is registered with the office of the Institute at least sixty days before the date of election. Such a member need not send an application under sub-regulation (6).

(6) An application in the appropriate form with proper verification of the contents of the application by the member concerned, should be sent to the Returning Officer by name so as to reach him at least sixty days before the date of polling, and an application not received within the time specified shall not be considered.

(7) A member who has been permitted to vote by post while sending the ballot paper to the Returning Officer shall send alongwith it a declaration in the appropriate form specified for the purpose.

(8) Any misuse of the concession granted under this regulation or any mis-statement, false declaration or false verification in this behalf shall render the member concerned liable for disciplinary action under regulation 87W.

(9) The Returning Officer shall postpone the conduct of poll at any polling booth for reasons to be recorded in writing.

#### 85. Eligibility to vote at polling booth by a voter entitled to vote by Post.

A voter entitled to vote by post under regulation 84 may, however, be allowed by the Returning Officer to vote in person at any particular polling booth to be specified by him within his regional constituency, provided he makes an application to that effect in writing duly addressed and forwards it to the Returning Officer by name by registered post so as to reach him at least forty-five days before the date of polling and an application not received within the time specified shall not be considered.

#### 86. Admissible number of votes to each voter and method of voting.

Each voter shall have one vote only but he shall have as many preferences as there are candidates. The voter in order to cast his vote—

(a) shall place on the ballot paper the number 1 (in Arabic or Roman numerals or in

words) in the square opposite the name of the candidate whom he chooses for his first preference; and

(b) may, in addition, place on his ballot paper the number 2 or the numbers 2 and 3 or numbers 2, 3 and 4 (in Arabic or Roman numerals or in words) and so on, in the squares opposite the names of the other candidates in the order of his preference.

#### 87. Ballot paper

The ballot paper shall contain the names of all contesting candidates for the constituency in alphabetical order in English and shall bear the emblem of the Institute.

#### 87A. Returning Officer to send ballot papers by post where applicable under regulation 84.

Not less than twenty-one days before the last date fixed for the receipt of ballot papers by post in the headquarters, the Returning Officer shall cause to be sent by recorded delivery post to each voter entitled or permitted to vote by post a ballot paper with instructions as to the manner in which the vote shall be recorded therein, an outer envelope for return of the ballot paper and an inner envelope to enclose the ballot paper specifying the date by which the ballot paper should reach the Returning Officer by name.

#### 87B. Procedure for return of ballot papers by Post

(1) Every voter referred to in sub-regulation (1), (2), (4) or (5) of regulation 84 shall record his vote personally in the ballot paper, fold and place it inside the inner envelope provided for that purpose, close the envelope by pasting and append his signature on the envelope at the place provided for that purpose.

(2) A voter is required to send a signed declaration in the appropriate form of having complied with the sub-regulation (1) personally.

(3) The voter shall place the closed and signed inner envelope in the outer envelope prepared for sending by ordinary post, close and paste the outer envelope, put the membership number, name and signature on it on the space provided for that purpose, and post it, so as to reach the Returning Officer not later than the last date specified for receipt of ballot papers from voters by post under regulation 59.

(4) A voter may, at his option forward the ballot paper by registered post.

#### 87C. Issue of undelivered and fresh ballot papers

Where a ballot paper and the accompanying material sent by post under regulation 87A, are damaged in transit or lost or for any reason returned undelivered or not received by a voter, the Returning Officer may, if he is satisfied with the reasons given for such damage, loss, return or non-receipt, reissue them by registered post or deliver them or cause them to be delivered to the voter, as the case may be, on his applying for the same in writing.

87D. Presence of candidates or their authorised representatives at a polling booth or at the place of counting of votes :

A contesting candidate shall be entitled to be present in person or to be represented by another member duly authorised by him in writing at any polling booth in the relevant regional constituency or the place of the counting of the votes, provided that a letter of authority is deposited with the Polling Officer or the Returning Officer before the time fixed for polling or for counting of votes, as the case may be, and that officer is satisfied as to the genuineness of the letter of authority and the identity of the authorised representative.

87E. Appointment of assistants and scrutineers

(1) The Returning Officer may appoint such persons as he thinks fit to assist him for any purpose in the conduct of election.

(2) The Returning Officer may also appoint a panel of two or more persons who are neither members of the Council nor candidates for election, to act as scrutineers of the ballot papers and to assist him generally in the counting of votes.

87E. Intimation of place, time and date for counting of votes;

The Returning Officer shall at least fifteen days before date or the first of the dates of polling, intimate in writing to all contesting candidates the date and time at which the counting of votes shall commence at the headquarters of the Institute.

87G. Definitions.—In this Chapter unless the context other requires :

(i) "continuing candidate" means any candidate not ejected and not excluded from the poll at any given time;

(ii) "count" means —

(a) all the operations involved in the counting of the first preferences recorded for candidates ; or

(b) all the operations involved in the transfer of the surplus of an elected candidate; or

(c) all the operations involved in the transfer of the total value of votes of an excluded candidate ;

(iii) "exhausted paper" means a ballot paper on which no further preference is recorded for a continuing candidate, provided that a paper shall also be deemed to have become exhausted whenever—

(a) the names of two or more candidates, whether continuing or not, are marked with the same figures and are next in order of preference ; or

(b) the name of the candidate next in order of preference, whether continuing or not, is

marked by a figure (number) not following consecutively after some other figure on the ballot paper or by two or more figures ,

(iv) "first preference" means the figure (number) 1 set opposite the name of a candidate; "second preference" means the figure 2 set opposite the name of a candidate; "third preference" means the figure 3 set opposite the name of a candidate, and so on;

(v) "original vote" in relation to any candidate, means a vote derived from a ballot paper on which a first preference is recorded, for such candidate;

(vi) "surplus" means the number by which the value of the votes, original and transferred, of any candidate exceeds the quota;

(vii) "transferred vote", in relation to any candidate, means a vote, the value or the part of the value of which is credited to such candidate and which is derived from a ballot paper on which a second or a subsequent preference is recorded for such candidate; and

(viii) "unexhausted paper" means a ballot paper on which a further preference is recorded for a continuing candidate.

87II. Counting of votes received by post :

(1) On the date and at the time and place intimated under regulation 87F, the Returning Officer shall, for the purpose of counting of votes in respect of a regional constituency, first deal with the postal ballot papers relating to that constituency in the manner hereinafter provided.

(2) The Returning Officer shall allow the candidates or their authorised representatives present at the counting a reasonable opportunity to inspect the covers containing the ballot papers received by post for satisfying themselves that they are in order but shall not allow them to handle those covers.

(3) No cover containing a postal ballot paper received by the Returning Officer after the expiry of the time fixed in that behalf or received by him from a voter whose name has been removed from the register of members on or before the date of poll shall be opened and no vote contained in any such cover shall be counted.

(4) The other covers shall then be taken up by the Returning Officer one by one and as each outer cover is taken up, the Returning Officer shall first scrutinise the signature of the voter on that cover in the space provided for that purpose.

(5) No outer cover on which the signature of the voter is not appended shall be opened and no vote contained in any such cover shall be counted.

(6) As each outer cover which contains the signature of the voter is opened, the Returning Officer shall satisfy himself that the declaration contained therein has been duly made and signed by the voter.

(7) If the said declaration by the voter is not found or has not been duly made or signed by him or is otherwise substantially defective or any paper other than the inner cover and the ballot paper is found, the Returning Officer shall reject his ballot paper and make appropriate endorsements on the outer and inner covers and on the ballot paper if it is found without the inner cover.

(8) The inner cover or the ballot paper so endorsed shall be replaced in the outer cover and all such covers shall be kept in a separate packet which shall be sealed and on which the name of the regional constituency, the date of counting and a brief description of its contents shall be recorded.

(9) The inner covers not already dealt with under the foregoing provisions of this regulation shall then be opened one after the other and the Returning Officer shall take out the ballot paper from each cover and shall record the number thereof in a statement and shall make a separate packet of these ballot papers.

#### 87 I. Scrutiny and opening of ballot boxes

(1) The Returning Officer shall thereafter deal with the ballot papers contained in the ballot boxes in the manner hereinafter provided.

(2) Before any ballot box is opened, the Returning Officer shall allow the candidates or their authorised representatives present at the counting, a reasonable opportunity to inspect the ballot boxes and packets received from the Polling Officers and the seals therefor satisfying themselves that they are in order, but shall not allow them to handle those ballot boxes or packets.

(3) The Returning Officer shall also satisfy himself that none of the ballot boxes is in fact tampered with and if he finds that any of the ballot boxes has been tampered with, shall not count the ballot papers contained in such box and shall keep the record of such ballot papers for the purpose of election petition, if any.

(4) The ballot boxes found to be in order shall be opened and the ballot papers shall be taken out from them and shall be counted and the number thereof recorded in a statement.

(5) The ballot papers received by post and kept in a packet referred to in sub-regulation (9) of regulation 87H shall then be mixed with the ballot papers taken out of the ballot boxes and taken up for scrutiny so as to determine their validity or otherwise.

#### 81J Grounds for declaring ballot papers invalid

A ballot paper shall be invalid —

(a) if a voter signs his name or writes any word or figure up on (other than those permitted under regulation 86) or makes any mark upon it by which the ballot paper becomes recognisable or by which the voter can be identified;

- (b) if it does not bear the emblem of the institute;
- (c) if the number 1 is not marked on it;
- (d) if the number 1 is set opposite the name of more than one candidate;
- (e) if the number 1 and some other numbers are put opposite the name of the same candidate;
- (f) if it is unmarked or void for uncertainty;
- (g) if it is a spurious ballot paper or is so damaged or mutilated that its identity as a genuine ballot paper cannot be established;

#### 87K. Arrangement of valid ballot papers in parcels

(1) The Returning Officer shall separate the ballot papers which he deems valid from those which he rejects endorsing on each of the latter the word "Rejected" and the ground of rejection.

(2) After rejecting the ballot papers which are invalid, the Returning Officer shall—

- (a) arrange the remaining ballot papers in parcels according to the first preference recorded for each candidate;
- (b) count and record the number of papers in each parcel and the total number; and
- (c) credit to each candidate the value of the paper in his parcel.

#### 87L. Ascertainment of quota

Every valid ballot paper shall be deemed to be of the value of one hundred, and the quota sufficient to secure the return of a candidate at the election shall be determined as follows :—

- (a) add the values credited to all the candidates under clause (c) of sub-regulation (2) of regulation 87K;
- (b) divide the total by a number which exceeds by one the number of vacancies to be filled; and
- (c) add one to the quotient ignoring the remainder, if any, and the resulting number is the quota.

#### 87M. General Instruction

In carrying out the provisions of regulations 87N to 87R, the Returning Officer shall disregard all fractions and ignore all preferences recorded for candidate already elected or excluded from the poll.

#### 87N. Candidates with quota elected

If at the end of any count or at the end of the transfer of any parcel or sub-parcel of an excluded candidate the value of ballot papers credited to a candidate is equal to, or greater than the quota, that candidate shall be declared elected.

## 870. Transfer of surplus

(1) If at the end of any count the value of the ballot papers credited to a candidate is greater than the quota, the surplus shall be transferred in accordance with the provisions of this regulation, to the continuing candidates indicated on the ballot papers of that candidate as being next in order of the elector's preference.

(2) If more than one candidate have a surplus, the largest surplus shall be dealt with first and the others in order of magnitude :

Provided that every surplus arising on the first count shall be dealt with before those arising on the second count and so on.

(3) Where there are more surpluses than one to distribute and two or more surpluses are equal, regard shall be had to the original votes of each candidate and the candidate for whom most original votes are recorded shall have his surplus first distributed; and if the values of their original votes are equal, the Returning Officer shall decide by lot which candidate shall have his surplus first distributed.

(4)(a) If the surplus of any candidate to be transferred arises from original votes only, the Returning Officer shall examine all the papers in the parcel belonging to that candidate, divide the unexhausted papers into sub-parcels according to the next preferences recorded thereon and make a separate sub-parcel of the exhausted papers.

(b) He shall ascertain the value of the papers in each sub-parcel and of all the unexhausted papers.

(c) If the value of the unexhausted papers is equal to or less than the surplus, he shall transfer all the unexhausted papers at the value at which they were received by the candidate whose surplus is being transferred.

(d) If the value of the unexhausted papers is greater than the surplus he shall transfer the sub-parcels of unexhausted papers and the value at which each paper shall be transferred shall be ascertained by dividing the surplus by the total number of unexhausted papers.

(5) If the surplus of any candidate to be transferred arises from transferred as well as original votes, the Returning Officer shall re-examine all the papers in the sub-parcel last transferred to the candidate, divide the unexhausted papers into sub-parcels according to the next preferences recorded thereon, and then deal with the sub-parcels in the same manner as is provided in the case of sub-parcels referred to in sub-regulation (4).

(6) The papers transferred to each candidate shall be added in the form of a sub-parcel to the papers already belonging to such candidate.

(7) All papers in the parcel or sub-parcel of an elected candidate not transferred under this regulation shall be set apart as finally dealt with.

## 87P. Exclusion of candidates lowest on the poll

(1) If after all surpluses have been transferred as hereinbefore provided, the number of candidates elected is less than the required number, the Returning Officer shall exclude from the poll the candidate lowest on the poll and shall distribute his unexhausted papers amongst the continuing candidates according to the next preferences recorded thereon and any exhausted paper shall be set apart as finally dealt with.

(2) The papers containing original votes of an excluded candidate shall first be transferred, the transfer value of each paper being one hundred.

(3) The papers containing transferred votes of an excluded candidate shall then be transferred in the order of the transfers in which and at the value at which, he obtained them.

(4) Each of such transfer shall be deemed to be a separate transfer but not a separate count.

(5) If, as a result of the transfer of papers, the value of votes obtained by a candidate is equal to or greater than the quota the count then proceeding shall be completed but no further papers shall be transferred to him.

(6) The process directed by this rule shall be repeated on the successive exclusions one after another of the candidates lowest on the poll until such vacancy is filled either by the election of a candidate with the quota or as hereinafter provided.

(7) If at any time it becomes necessary to exclude a candidate and two or more candidates have the same value of votes and are the lowest on the poll regard shall be had to the original votes of each candidate and the candidate for whom fewest original votes are recorded shall be excluded and if the values of their original votes are equal the candidate with the smallest value at the earliest count at which these candidates had unequal values shall be excluded.

(8) If two or more candidates are lowest on the poll and each has the same value of votes at all counts the Returning Officer shall decide by lot which candidate shall be excluded.

## 870. Filling the last vacancies

(1) When at the end of any count the number of continuing candidates is reduced to the number of vacancies remaining unfilled the continuing candidates shall be declared elected.

(2) When at the end of any count only one vacancy remains unfilled and the value of the papers of some one candidate exceeds the total value of the papers of all the other continuing candidates together with any surplus not transferred that candidate shall be declared elected.

(3) When at the end of any count only one vacancy remains unfilled and there are only two continuing candidates and each of them has the same

value of votes and no surplus remains capable of transfer, the Returning Officer shall decide by lot which of them shall be excluded; and after excluding him in the manner aforesaid, declare the other candidate to be elected.

#### 87R. Provision for re-counts

(1) Any candidate or, in his absence his authorised representative may, at any time during the counting of the votes either before the commencement or after the completion of any transfer of votes (whether surplus or otherwise) request the Returning Officer to re-examine and re-count the paper of all or any candidates (not being papers set aside at any previous transfer as finally dealt with) and the Returning Officer shall forthwith re-examine and recount the same accordingly.

(2) The Returning Officer may in his discretion re-count the votes either once or more than once in any case in which he is not satisfied as to the accuracy of any previous count :

Provided that nothing in this sub-regulation shall make it obligatory on the Returning Officer to recount the same votes more than once.

#### 87S. Declaration of results

The names of the candidates elected shall be declared on the date fixed for declaration of results and shall be communicated individually to all the candidates who stood for election by registered post and shall also be notified in the Journal.

#### 87T. Election not to be invalid due to accidental omission etc.

No election shall be deemed to be invalid merely by reason of any accidental irregularity or informality in the conduct of the election, including accidental omission to send or delay in sending the voting paper to a voter or the accidental non-receipt of, or delay in receipt of a voting paper, by a voter.

#### 87U. Decision of the Returning Officer to be final

The decision of the Returning Officer pertaining to conduct of election shall, subject to regulation 87V, be final not only in respect of all matters concerning the interpretation of these regulations but also in respect of the procedures adopted and not specifically covered by these regulations.

#### 87V. Dispute on election matters

(1) An application by any aggrieved candidate against the decision of the panel on the validity of nominations or the Returning Officer on the declaration of election results, or any other matter relating to or incidental thereto, which is material to the conduct of election shall be made to the Council within thirty days from the date of declaration of the results of an election and the Council shall refer the dispute to a Tribunal appointed by the Central Government under sub-section (2) of section 10.

(2) At the time of giving its decision the Tribunal may pass such order as to costs as it may consider appropriate.

(3) If the Tribunal is satisfied that an application made under sub-section (2) of section 10 was frivolous or not founded on any valid ground, it may award costs to the Council.

#### 87W. Disciplinary action against members in connection with the conduct of election

(1) A member shall be liable to disciplinary action by the Council if, in connection with an election to the Council of the Institute, he is found to have contravened the provisions of all or any of the clauses (a), (b), (c), (d), (e) or (f) of sub-regulation (2).

(2) A candidate can issue one circular letter giving positive aspects of his candidature including his qualifications and contributions to the profession. The circular issued in connection with an election to the Council shall conform to the following requirements or guidelines as may be issued by the Council in respect of the election in the interest of maintaining dignity in the election, namely :—

- (a) such circular must be sent by registered post by the candidate to the Secretary by name for information and record within ten days of its issue by him to voters;
- (b) the circular shall contain factual information regarding the candidate himself and shall not make any reference directly or indirectly, to any other candidate;
- (c) the information which a candidate may furnish in circular regarding himself shall not differ in any material respect from the information furnished by the candidate to the Institute;
- (d) a circular shall not contain any appeal to the voters on the basis of caste, or on communal, regional or sectional lines;
- (e) the distribution of circular shall be restricted only to the members of the constituency concerned;
- (f) a circular shall be issued by a candidate only after his nomination has been accepted.

#### Explanation

For the purpose of this sub-regulation, the term "Circular" does not include a personal letter addressed to an individual which happens to contain a mere request for vote though if a similar letter were to be sent to a number of voters, it would amount to "Circular".

(3) A member shall be liable to disciplinary action by the Council, if he adopts one or more of the following practices with regard to the election to the Council, namely :—

- (a) bribery, that is to say, any gift, offer or promise of any gift or gratification to any person, by a candidate or any other person with his connivance with the object, directly or indirectly, of
  - (i) inducing a member to stand or not to stand as a candidate for election;
  - (ii) inducing a candidate to withdraw his candidature or rewarding such withdrawal; or
  - (iii) inducing a voter to vote or not to vote at an election, or as a reward for such act or omission.

#### Explanation

For the purpose of this sub-regulation, the term "gratification" is not restricted to pecuniary gratification or gratification estimable in money, and it includes all forms of entertainment and all forms of employment for reward, but it does not include the payment of any expenses bona fide incurred at or for the purpose of any election;

- (b) undue influence, that is to say, any direct or indirect interference or attempt to interfere on the part of a candidate or of any other person, with his connivance with the free exercise of any electoral right;
- (c) the publication by a candidate or by any other person with his connivance, of any statement which is false or which he either believes to be false or does not believe it to be true, in relation to the personal character or conduct of any candidate, or in relation to the candidature or withdrawal of any candidate, being a statement reasonably calculated to prejudice the prospects of that candidate's election;
- (d) the obtaining or procuring or abetting, or attempting to obtain or procure, by any other person with his connivance, any assistance for the furtherance of the prospects of the candidate's election from any person serving under the Government of India or the Government of any State other than the giving of vote by such person, if he is a member entitled to vote;
- (e) any act specified in sub-regulations (a) to (d) when done by a member, who is not a candidate or a member acting with the connivance of a candidate;

- (f) the receipt by a member or an agreement by a member to receive any gratification as an inducement or reward
  - (i) for standing or not standing as a candidate;
  - (ii) for withdrawing his candidature;
  - (iii) for himself or any other person for voting or refraining from voting;
  - (iv) for inducing or attempting to induce any voter to vote or to refrain from voting; or
  - (v) for inducing or attempting to induce any candidate to withdraw his candidature.

(g) contravention or misuse of any of the provisions of this Chapter or making of any false statement knowing it to be false or without knowing it to be true, while complying with any of the provisions of this Chapter".

10. In Chapter XII, for sub-regulation (2) of regulation 114 of the said regulations, the following shall be substituted, namely :—

"(2) Notwithstanding anything contained in regulation 87P as applied by sub-regulation (1) to elections to the Regional Council, the Returning Officer—

- (a) shall not exclude from the poll a candidate lowest on the poll at any stage in the counting of votes—
  - (i) if he is a candidate from a State or Union territory which has one or more reserved seats under sub-regulation (1) of regulation 115; and
  - (ii) either he is the sole continuing candidate from that State or Union Territory or the number of continuing candidates including him from that State or Union Territory is equal to or less than the number of seats reserved for that State or Union territory;
- (b) shall exclude the next lowest candidate on the poll and if in the case of that candidate also the provisions of clause (a) are applicable such next candidate lowest on the poll in whose case the said provisions of clause (a) are not applicable;
- (c) shall declare candidate or candidates not so excluded from the poll either under clause (a) or clause (b) as elected and

shall proceed with the counting for filling the seats remaining to be filled".

11. In regulation 116 of the said regulations, in the second proviso to sub-regulation (1), for the words "on the date of counting of votes", the words "on the date of poll" shall be substituted.

12. For sub-regulation (2) of regulation 116 of the said regulations, the following shall be substituted, namely :—

"(2) Every candidate standing for election to the respective Regional Council shall, alongwith the nomination papers pay at the headquarter office a fee of not exceeding Rs. 500 as may be notified by the Council before each election in cash or by demand draft which shall not be refundable under any circumstances except in the event of the rejection of his nomination".

13. In sub-regulation (4) of regulation 117 of the said regulations, after the words "If a member of the Regional Council", the following words shall be inserted, namely :—

"including a member of the Council becoming a member of the Regional Council under clause (a) of sub-regulation (2) of regulation 111".

14. In regulation 167 of the said regulations, in the first proviso, for the words, brackets and figures "sub-regulation (2) of regulation 61", the words, brackets and figures "sub-regulation (1) of regulation 62", shall be substituted.

By Order of the Council

T. P. SUBBARAMAN, Secy.